हिन्दी व्याकरण

'व्याकरण' शब्द का अर्थ है– 'वाक् पृथक्करण-प्रक्रिया'। इसका निर्माण वि+आकरण यानि 'आ' उपसर्ग को 'कृ' धातु में जोड़कर जो रूप निष्पन्न होता है उसमें पुनः लुयुट् प्रत्यय जोड़ने से होता है। व्याकरण से भाषा में अनुशासन बना रहता है। वस्तुतः व्याकरण एक शास्त्र है। व्याकरण का निर्माण भाषा-विशेष के लिए होता है। अर्थात् प्रत्येक भाषा का अपना निजी व्याकरण होता है। इसके द्वारा भाषा विशेष के वर्ण, शब्द, ध्वनि और वाक्य के शुद्ध रूप एवं प्रयोग के नियम का सम्यक् निरूपण किया जाता है। दूसरे शब्दों में, व्याकरण वह शास्त्र है जिसका निर्माण भाषा-विशेष के लिए होता है और जिससे भाषा-विशेष के शुद्ध रूप तथा प्रयोग की नियमावली का ज्ञान होता है।

लिंग

हिन्दी में दो लिंग होते हैं–स्त्रीलिंग और पुल्लिंग। जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराते हैं, उन्हें स्त्रीलिंग कहा जाता है, जैसे–राधा, लड़की, पुत्री, पुस्तक, शेरनी, चिड़िया आदि। इसके विपरीत जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें पुल्लिंग कहा जाता है, जैसे–कृष्ण, शेर, बैल, गीदड़, पुत्र, लड़का। ध्यान रहे कि नपुंसक लिंग का प्रयोग संस्कृत में होता है, हिन्दी में नहीं होता।

कुछ शब्द जो प्रायः स्त्रीलिंग ही होते हैं–

(1) ईकारान्त शब्द। जैसे–चिट्ठी, पत्री, लेखनी, बोली, गोली, चोली, डोली इत्यादि।
अपवाद–मोती, घी, जी, पानी आदि शब्द पुल्लिंग हैं।
(2) नदियों के नाम। जैसे–गंगा, यमुना, सरस्वती, रावी इत्यादि। प्रायः सभी नदियों के साथ नदी शब्द का प्रयोग किया जा सकता है।
(3) संस्कृत के स्त्रीलिंग और नपुंसक लिंग जैसे–आशा, माता, दिशा इत्यादि।
(4) राशियों, तिथियों और नक्षत्रों के नाम। जैसे–मेष, वृष, मिथुन, कन्या, तीज, प्रतिपदा, आश्विन, रोहणी आदि।
(5) धातुओं के नाम जैसे–चांदी, मिट्टी, धातु आदि।
(6) कुछ समुदाय वाचक संज्ञाएं। जैसे–सेना, शाला, फौज, टोली, सभा, श्रेणी, कक्षा इत्यादि।
(7) अनाज, दालें इत्यादि। जैसे–अरहर, मकई आदि।
(8) कुछ प्राणीवाचक शब्द। जैसे–भगिनी, गाय, कोयल, चील, मैना, बिल्ली आदि।

कुछ शब्द जो प्रायः पुल्लिंग ही होते हैं–

(1) पर्वतों आदि के नाम। जैसे–हिमालय, शिवालिक, विंध्याचल आदि।
(2) भावनावाचक संज्ञाएं–जिनके अन्त में आव, पन, पा, त्व हों। जैसे–चढ़ाव, बहाव, बड़प्पन, बचपन, रंडापा, बुढ़ापा, महत्व, पुरुषत्व।
(3) महीने और दिनों के नाम। जैसे–ज्येष्ठ, बैसाख, चैत्र, मंगलवार, रविवार।
(4) ग्रहों के नाम। जैसे–मंगल, बुध, राहु, केतु आदि।
(5) वर्णमाला के सभी अक्षर–केवल इ, ई और ऋ को छोड़कर।
(6) संस्कृत के नपुंसक लिंग। जैसे–दही, मधु आदि।
(7) पेड़, अनाज सम्बन्धी शब्द। जैसे–बड़, पीपल, आम, चावल, गेहूँ, बाजरा, उड़द।
(8) द्रव्यवाचक शब्द। जैसे–सोना, तांबा, लोहा, मोती, माणिक आदि।

पुल्लिंग से स्त्रीलिंग बनाने के नियम–

(1) अकारान्त और आकारान्त शब्दों के अन्त में ई जोड़ देने से स्त्रीलिंग बन जाता है। जैसे–

नाना–नानी	लड़का–लड़की	दादा–दादी
चाचा–चाची	पुत्र–पुत्री	देव–देवी
गीदड़–गीदड़ी	कबूतर–कबूतरी	नट–नटी

(2) कुछ आकारान्त शब्दों के अन्त का 'आ' हटा कर 'इया' जोड़ दिया जाता है। जैसे–

चिड़ा–चिड़िया	चूहा–चुहिया	डिब्बा–डिबिया
कुत्ता–कुतिया	बेटा–बिटिया	बूढ़ा–बुढ़िया

(3) कुछ व्यापार-सूचक (अकारान्त, आकारान्त, इकारान्त) शब्दों के पीछे 'इन' प्रत्यय लगाकर स्त्रीलिंग बनाते हैं। जैसे–

जुलाहा–जुलाहिन	धोबी–धोबिन	कहार–कहारिन
चमार–चमारिन	ठठेरा–ठठेरिन	ग्वाला–ग्वालिन

(4) कुछ प्राणीवाचक शब्दों के पीछे 'नी' या 'इनी' प्रत्यय लगाया जाता है। जैसे–

हंस–हंसिनी	जाट–जाटिनी	हाथी–हथिनी
शेर–शेरनी		

(5) कुछ प्राणीवाचक शब्दों के पीछे 'आनी' प्रत्यय भी लगाया जाता है। जैसे–

नौकर–नौकरानी	जेठ–जेठानी	देवर–देवरानी
चौधरी–चौधरानी	सेठ–सेठानी	मेहतर–मेहतरानी

(6) कुछ अकारान्त शब्दों के अन्त में 'आ' प्रत्यय लगाने से, जैसे–

शिव–शिवा	शूद्र–शूद्रा	प्रिय–प्रिया
बाल–बाला	सुत–सुता	

(7) कुछ शब्दों के अन्त में 'वती' या 'मती' लगाने से, जैसे–

भगवान्–भगवती	गुणवान्–गुणवती	श्रीमान्–श्रीमती
रूपवान्–रूपवती	बुद्धिमान्–बुद्धिमती	धनवान्–धनवती

(8) कुछ उपनाम सम्बन्धी शब्दों के अन्त में 'आइन' प्रत्यय लगाने से, जैसे–

लाला–ललाइन	ठाकुर–ठकुराइन	बाबू–बबुआइन
दुबे–दुबाइन	पण्डित–पण्डिताइन	

(9) कुछ शब्दों के अन्त में 'अक' आता है। उनको स्त्रीलिंग बनाने के लिए 'अक' प्रत्यय का 'इका' कर लिया जाता है। जैसे–

अध्यापक–अध्यापिका	सेवक–सेविका	नायक–नायिका
बालक–बालिका	प्रेषक–प्रेषिका	लेखक–लेखिका

(10) कुछ शब्दों के अन्त में 'त्री' लगाने से स्त्रीलिंग बन जाता है। जैसे–

कवि–कवयित्री   कर्ता–कर्त्री

(11) कुछ इकारान्त शब्दों के अन्त में 'ई' प्रत्यय को 'इ' करके 'णी' लगाकर स्त्रीलिंग बना लिया जाता है। जैसे–

परोपकारी–परोपकारिणी   अधिकारी–अधिकारिणी
सहधर्मी–सहधर्मिणी   कल्याणकारी–कल्याणकारिणी

(12) कुछ पुल्लिंग शब्दों के स्त्रीलिंग सर्वथा भिन्न होते हैं, जैसे–

पिता–माता   वर–वधु
राजा–रानी   विद्वान–विदुषी

वचन

वचन का शाब्दिक अर्थ है- बोली। परन्तु हिन्दी में व्याकरण की दृष्टि में वचन का अर्थ संख्या से लिया जाता है। इसलिए वचन को परिभाषित करते हुए कहा जा सकता है– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के जिस रूप से संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।

वचन के भेद

हिन्दी में वचन के दो भेद माने गए हैं (1) एकवचन (2) बहुवचन

(1) एकवचन (Singular Number) : जैसा कि नाम से स्पष्ट है, एकवचन विकारी शब्द का वह रूप है जिससे एक ही व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है। उदाहरण- घोड़ा दौड़ता है। गाय चरती है। इन वाक्यों में 'घोड़ा' और 'गाय' से एक जानवर का बोध होता है। अतः ये एकवचन हैं।

(2) बहुवचन (Plural Number) : बहुवचन वह विकारी शब्द है जिससे एक से अधिक वस्तुओं, व्यक्तियों आदि का बोध होता है। जैसे- घोड़े चरते हैं। गायें दौड़ती हैं। 'घोड़े' और 'गायें' कहने से एक से अधिक जानवरों का बोध होता है। अतः ये बहुवचन हैं।

वचन के रूपान्तर : यद्यपि वचन के कारण संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के रूप में परिवर्तन होता है तथापि सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के रूप मूलतः इनसे जुड़ी संख्या पर ही आधारित होते हैं। अतएव एकवचन में संज्ञा शब्दों के रूपान्तर की ही प्रमुखता है।

वचन के अधीन संज्ञा के रूप दो तरह से परिवर्तित होते हैं– (1) विभक्ति रहित (2) विभक्ति सहित

विभक्ति रहित संज्ञाओं के बहुवचन बनाने के नियम :

विभक्ति रहित संज्ञाओं का बहुवचन साधारणतः निम्नलिखित नियमों के अन्तर्गत बनाया जाता है-

1. पुल्लिंग संज्ञा के आकारान्त को एकारान्त कर बहुवचन बनाया जाता है। यथा-

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
घोड़ा	घोड़े	गधा	गधे
लड़का	लड़के		

अपवाद- मामा, नाना, बाबा, पिता, योद्धा, आत्मा, देवता, जामाता आदि। इन शब्दों के रूप दोनों वचनों में समान होते हैं।

2. पुल्लिग आकारान्त शब्दों के अतिरिक्त अन्य मात्राओं से अन्त होने वाले शब्दों के रूप दोनों वचनों में एक समान रहते हैं। जैसे–

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
एक बालक	चार बालक	एक डाकू	चार डाकू
एक भाई	चार भाई	एक जौ	चार जौ

3. आकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों के अन्त में 'एँ' जोड़ने से बहुवचन बनता है। जैसे–

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
शाखा	शाखाएँ	लता	लताएँ
माता	माताएँ	महिला	महिलाएँ

4. अकारान्त स्त्रीलिंग संज्ञा के बहुवचन शब्द में आगत अंतिम अ को यें कर देने से बनता है। जैसे–

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
गाय	गायें	रात	रातें
बात	बातें	आँख	आँखें
याद	यादें		

5. दीर्घ या ह्रस्व इकारान्त संज्ञाओं को ह्रस्व इकारान्त कर उनके अन्त में याँ जोड़ देने से बहुवचन बनता है। जैसे–

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
नारी	नारियाँ	पहेली	पहेलियाँ
लड़की	लड़कियाँ	सहेली	सहेलियाँ
नीति	नीतियाँ	नदी	नदियाँ
घड़ी	घड़ियाँ	छड़ी	छड़ियाँ
धोती	धोतियाँ	साड़ी	साड़ियाँ

6. जिन स्त्रीलिंग शब्दों के अन्त में 'या' आता है, 'या' पर चन्द्रबिन्दु लगाकर बहुवचन बनाया जाता है जैसे–

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
बुढ़िया	बुढ़ियाँ	चिड़िया	चिड़ियाँ
गुड़िया	गुड़ियाँ	डिबिया	डिबियाँ
दुनिया	दुनियाँ		

7. ह्रस्व या दीर्घ ऊकारान्त स्त्रीलिंग संज्ञाओं को ह्रस्व उकारान्त बनाकर अन्त में 'एँ' लगाने से बहुवचन का निर्माण होता है। जैसे-

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
धेनु	धेनुएँ	वस्तु	वस्तुएँ
बहू	बहुएँ	ऋतु	ऋतुएँ

8. कुछ शब्द समष्टि मूलक होते हैं। जैसे– गण, कुल, वृन्द, समूह, वर्ग, लोग, जन, मण्डल, दल, ग्राम, मण्डली आदि। ये शब्द विशेषतः वहाँ जोड़े जाते हैं, जहाँ दोनों वचनों में पुल्लिंग अथवा स्त्रीलिंग में एक ही रूप होते हैं।

उदाहरण :

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
पाठक	पाठकगण	आप	आप लोग
तुम	तुम लोग	छात्र	छात्रगण
विद्यार्थी	विद्यार्थीगण		

विभक्ति सहित संज्ञाओं के बहुवचन बनाने के नियम :-

सविभक्ति संज्ञाओं के बहुवचन बनाने के सामान्य नियम निम्नलिखित हैं–

1. संस्कृत शब्दों को छोड़कर हिन्दी के अकारान्त, आकारान्त तथा एकारान्त संज्ञाओं के अन्तिम अ, आ, ए के बदले बहुवचन बनाने में इसे 'ओ' कर दिया जाता है। जैसे-

एकवचन	**बहुवचन**
नर	नरों (का)
चीता	चीतों (द्वारा)
चोर	चोरों (ने)
घोड़ा	घोड़ों (को)

विभक्ति चिह्नों के साथ प्रयोग :

(क) नरों की कहानी।

(ख) चीतों का भय।

(ग) चोरों की पकड़।

(घ) घोड़ों की हिनहिनाहट।

कारक

संज्ञा या सर्वनाम के उस रूप को कारक कहते हैं जिससे उसका सम्बन्ध वाक्य के अन्य शब्दों विशेषतः क्रिया के साथ प्रकट होता है। वास्तव में, विभक्ति चिह्नों से युक्त संज्ञा या सर्वनाम शब्द ही वाक्य में अन्य शब्दों से सम्बन्ध प्रकट करते हैं।

ने, को, से, द्वारा– आदि विभक्ति चिह्न हैं। कारक का एक उदाहरण इस प्रकार है-'मोहन ने बाग में डण्डे से आम तोड़ा।' इस वाक्य में मोहन ने, डण्डे से, और आम संज्ञाओं के रूपान्तरण हैं। जिस तत्त्व के द्वारा इन रूपान्तरित संज्ञाओं का सम्बन्ध तोड़ा, क्रिया से स्पष्ट होता है, वही कारक है।

कारक-चिह्न

हिन्दी में कारक के आठ भेद माने जाते हैं :

	कारक	**विभक्ति या कारक चिह्न**
1.	कर्त्ता	ने
2.	कर्म	को
3.	करण	से, द्वारा
4.	सम्प्रदान	को, के लिए
5.	अपादान	से
6.	सम्बन्ध	का, के, की, रा, रे, री, ना, ने, नी
7.	अधिकरण	में, पर
8.	सम्बोधन	हे, हो, अरे, अजी, अहो आदि।

कारक-चिह्न/विभक्ति/परसर्ग

हिन्दी में कारक का ज्ञान कराने के लिए संज्ञा या सर्वनाम के साथ जो प्रत्यय लगाये जाते हैं, उन्हें ही व्याकरण में विभक्ति कहते हैं। हिन्दी में चूँकि विभक्ति चिह्न पद से अलग प्रयुक्त होते हैं इसलिए इन्हें 'परसर्ग' भी कहा जाता है। परसर्ग का शब्दिक अर्थ है- पीछे जुड़ना। कारक चिह्न सदैव संज्ञा या सर्वनाम के पीछे जुड़ते हैं।

(i) **कर्त्ता कारक :** कर्त्ता का अभिप्राय है, करने वाला। वाक्य में जो क्रिया सम्पन्न करता है, उसे कर्त्ता कहा जाता है। जैसे- राम पढ़ता है। सुरेश पत्र लिखता है। इन वाक्यों में राम और सुरेश कर्त्ता कारक हैं क्योंकि ये ही क्रिया को सम्पादित करने वाले हैं।

(ii) **कर्म कारक :** कर्त्ता द्वारा सम्पादित क्रिया का फल जिस पर पड़ता है, उसे 'कर्म' कहते हैं। जैसे– शीला ने राजेश को पढ़ाया। इस वाक्य में कर्त्ता है- शीला, क्रिया है– पढ़ाना। पढ़ाना क्रिया का फल राजेश पर स्पष्ट पड़ रहा है। इसलिए यहाँ राजेश कर्म कारक की स्थिति में है।

(iii) **करण कारक :** वाक्य में कारण कारक उस शब्द को कहते हैं जो क्रिया को पूर्ण करने में साधन के रूप में कर्ता का सहायक होकर आता है। जैसे– मैं कलम से लिखता हूँ। इस वाक्य में 'कलम से' करण कारक है क्योंकि लेखन-क्रिया में कलम साधन है।

(iv) **सम्प्रदान कारक :** कर्त्ता क्रिया की सिद्धि जिसके लिए करता है अथवा जिसको कुछ देता है, उसे प्रकट करने वाले शब्द रूप को सम्प्रदान कारक कहते हैं। जैसे– श्याम मीरा के लिए खिलौने लाया। राकेश शीला के लिए रोता है। इन वाक्यों में लाना और रोना क्रियाएँ क्रमशः मीरा और शीला के लिए सम्पादित की जा रही हैं। इसलिए मीरा और शीला के लिए शब्द रूप सम्प्रदान कारक है।

संधि

सन्धि शब्द का सामान्य अर्थ है– मेल अथवा मिलन। जब दो निकटवर्ती शब्दों का परस्पर मेल होता है, तो उसे संधि कहते हैं। संधि पहले वाले शब्द के अंतिम वर्ण और दूसरे वाले शब्द के प्रथम वर्ण (दोनों वर्णों) के मिलन से होती है। जब संधि होती है, तो दोनों शब्दों के मेल से बना शब्द (नया वाला शब्द) दोनों शब्दों का सामान्य संयोग मात्र नहीं होता, बल्कि उनके मेल से बना नया शब्द कुछ भिन्न होता है। यह भिन्नता या परिवर्तन उन्हीं दोनों वर्णों में होता है, जिनका मेल होता है। उदाहरण के लिए यदि हम 'हिम' और 'आलय' दोनों शब्दों की संधि करें, तो संधि से बनने वाला शब्द 'हिमालय' होगा। इसी प्रकार 'विद्या' और 'अर्थी' शब्दों की संधि से 'विद्यार्थी' शब्द बनता है।

संधि के मुख्य रूप से तीन भेद हैं– स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि।

(क) **स्वर संधिः** जब स्वर के साथ स्वर का मेल हो और स्वर में परिवर्तन हो, तो उसे स्वर संधि कहते हैं। उदाहरण के लिए 'छात्र' और आवास में 'त्र' और 'आ' का मेल होकर 'त्रा' बनेगा और संधि के फलस्वरूप बना शब्द 'छात्रावास' होगा।
इसी प्रकार 'रमा' और ईश' के मेल से 'रमेश' बनता है। 'महा' और 'ऋषि' के मेल से 'महर्षि' बनता है। 'यदि' और 'अपि' के मेल से 'यद्यपि' बनता है।

(ख) **व्यंजन संधिः** जब दो व्यंजनों के मेल से नया शब्द बनता है, तो उसे व्यंजन संधि कहते हैं। जैसे 'जगत' और 'नाथ' के मेल से 'जगन्नाथ' शब्द बनता है। 'तन्' और 'मय' के मेल से 'तन्मय' शब्द बनता है। 'सत्' और 'चित' के मेल से 'सच्चित' शब्द बनता है। 'सम्' और 'राट' के मेल से 'सम्राट' शब्द बनता है।

(ग) **विसर्ग संधिः** जब विसर्ग के साथ व्यंजन का मेल हो तो विसर्ग संधि होती है। जैसे– 'निः' और 'जन' के मेल से 'निर्जन' तथा 'दुः' और 'चरित्र' के मेल से 'दुश्चरित्र' बनता है।

संधि के प्रकार

हिन्दी में संधि के तीन प्रकार हैं–(1) स्वर संधि (2) व्यंजन संधि (3) विसर्ग संधि।

(1) स्वर संधि

दो स्वरों के मेल से जो विकार या वर्ण के रूप में परिवर्तन होता है, वही स्वर संधि कहलाता है।

स्वर संधि के भेदः स्वर संधि के निम्नलिखित पाँच भेद हैं :–

(क) दीर्घ संधि (ख) गुण संधि (ग) वृद्धि संधि (घ) यण् संधि (ङ) अयादि संधि।

(क) **दीर्घ संधिः** जब दो सवर्ण स्वरों का मेल होता है तो एक दीर्घ स्वर बन जाता है। यह दीर्घ संधि है। अ और आ सवर्ण स्वर हैं। इसी प्रकार इ ई उ ऊ और ऋ सवर्ण स्वर हैं। ह्रस्व या दीर्घ अ इ उ ऋ के बाद यदि पूर्ववत् ह्रस्व या दीर्घ स्वर हो तो दोनों के स्थान पर एक सवर्ण दीर्घ स्वर होता है।

जैसे– अ + अ = आ (नर + अधय = नराधय)
अ + आ = आ (कार्य + आलय = कार्यालय)
आ + अ = आ (विद्या + अर्थी = विद्यार्थी)
आ + आ = आ (महा + आशय = महाशय)
इ + इ = ई (मुनि + इन्द्र = मुनीन्द्र)
इ + ई = ई (कपि + ईश = कपीश)
ई + इ = ई (मही + इन्द्र = महीन्द्र)
ई + ई = ई (नदी + ईश = नदीश)
उ + उ = ऊ (साधु + उवाच = साधूवाच)

(ख) **गुण संधिः** अ या आ के बाद यदि इ या ई, उ या ऊ और ऋ आवे तो दोनों के मेल से क्रमशः ए, ओ अर हो जाता है।

जैसे– अ + इ = ए (नर + इन्द्र = नरेन्द्र)
आ + इ = ए (महा + इन्द्र = महेन्द्र)

(ग) **वृद्धि संधिः** अ या आ के बाद यदि ए या ऐ और ओ या औ का आगमन होता है, तो दोनों मिलकर क्रमशः ऐ और औ उत्पन्न करते हैं।

जैसे– अ + ए = ऐ (एक + एक = एकैक)
आ + ए = ऐ (तथा + एव = तथैव)

(घ) **यण संधिः** ह्रस्व या दीर्घ इ, उ, ऋ के अनन्तर यदि कोई असवर्ण स्वर आता है तो 'इ' का य्, उ का व् और ऋ का र् हो जाता है।

जैसे– इ + आ = या (अति + आनन्द = अत्यानन्द)
इ + ए = ये (प्रति + एक = प्रत्येक)

(ङ) **अयादि संधिः** ए ऐ ओ औ के अनन्तर यदि कोई असवर्ण स्वर आये तो ए का अय्, ऐ का आय, ओ का अव् और औ का आव हो जाता है।

जैसे– ए + अ = अय (ने + अन = नयन)
ऐ + अ = आय (नै + अक = नायक)

(2) व्यंजन संधि

व्यंजन संधि उसे कहते हैं जिसमें संधि होने वाले दो वर्णों में से प्रथम वर्ण व्यंजन हो और दूसरा स्वर या व्यंजन हो।

जैसे– दिक् + गज = दिग्गज।

व्यंजन संधि के प्रमुख नियम इस प्रकार हैं–

(क) यदि किसी वर्ण के पहले व्यंजन के अनन्तर किसी वर्ग का पंचम वर्ण आता है तो प्रथम व्यंजन वर्ग का परिवर्तन उसी वर्ग के पंचम वर्ण में होता है।
जैसे– जगत् + नाथ = जगन्नाथ।
वाक् + मय = वाङ्मय।

(ख) यदि म् के बाद किसी स्पर्श वर्ण का आगमन होता है तो म् अनुस्वार में बदल जाता है।
जैसे– किम + चित् = किंचित् या किञ्चित्।
अहम् + कार = अहंकार या अहङ्कार।

(ग) यदि म् के बाद य र ल व (अन्तस्थ) और श ष स ह (ऊष्म) वर्ण हों तो 'म्' अनुस्वार में बदल दिया जाता है।
जैसे– सम् + षय = संशय।
सम् + सार = संसार।

(घ) यदि वर्ग के प्रथम वर्ण के अनन्तर कोई स्वर हो या किसी वर्ग का तृतीय, चतुर्थ व्यंजन हो या य र ल व में से कोई वर्ण आए तो वर्ग के प्रथम वर्ण के स्थान पर तृतीय वर्ण हो जाता है।
जैसे– वाक् + दन्त = वाग्दन्त।
सत् + गति = सद्गति।

(ङ) यदि च अथवा ज के अनन्तर न का आगमन होता है तो दोनों का स्थान ञ ले लेता है।
जैसे– यज् + न = यज्ञ।

(3) विसर्ग संधि

विसर्ग के साथ स्वर अथवा व्यंजन के मेल से उत्पन्न विकार को विसर्ग संधि कहा जाता है।

जैसे– मनः + रथ = मनोरथ।

विसर्ग संधि के प्रमुख नियम

(क) विसर्ग के बाद च् या छ् ट् या ढ् तथा त् या थ् आवे तो क्रमशः श, ष हो जाता है।
जैसे– निः + चय = निश्चय
निः + तार = निस्तार

(ख) यदि विसर्ग के बाद श, ष या स आवे तो विसर्ग को उसी परवर्ती सकार में बदल दिया जाता है।
जैसे– दुः + शासन = दुश्शासन
निः + सन्देह = निस्संदेह

(ग) यदि विसर्ग के पूर्व अ आवे और उसके बाद किसी वर्ग का तीसरा चौथा पाँचवां या य र ल व ह में से कोई व्यंजन आवे तो विसर्ग का 'उ' होता है और उ अपने पूर्ववर्ती अ के साथ जुड़कर ओ में रूपान्तरित हो जाता है।
जैसे– सरः + वर = सरोवर।
पयः + धर = पयोधर।

(घ) यदि विसर्ग के बाद र् व्यंजन आवे तो विसर्ग का पूर्ववर्त्ती स्वर दीर्घ हो जाता है साथ ही विसर्ग का लोप हो जाता है।
जैसे– निः + रव = नीरव।
निः + रोग = नीरोग।

(ङ) यदि विसर्ग के पूर्व अकार के अतिरिक्त कोई दूसरा स्वर हो और उसके बाद कोई स्वर हो अथवा किसी वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवां वर्ण हो तो विसर्ग 'र' में रूपान्तरित होता है।
जैसे– दुः + गन्ध = दुर्गन्ध।
निः + रोग = नीरोग।

समास

अनेक शब्द जब मिलकर एक पद बन जाते हैं तो समास कहलाता है। अर्थात् जब दो या दो से अधिक पद अपने प्रत्ययों या विभक्तियों को छोड़कर मिलते हैं तब उस संयोग को समास कहते हैं।

समास की उपयोगिताः भाषा में समास की उपयोगिता कई दृष्टियों से है–

(क) समास से भाषा में संक्षिप्तता आती है।
(ख) समास से उच्चारण-प्रक्रिया में सहजता का बोध होता है।
(ग) भाषा समास के प्रयोग से चुस्त होती है।
(घ) भाषा के सौंदर्य में वृद्धि समास के प्रयोग से संभव है।

समास के भेद

पदों की प्रधानता को आधार मानकर समास को मुख्यतः चार भागों में विभाजित किया जाता है तथापि छः भेद स्वीकार किये जाते हैं।

(1) अव्ययीभाव समास – पहला पद प्रधान होता है।
(2) तत्पुरुष समास – दूसरा पद प्रधान होता है।
(3) द्वन्द्व समास – दोनों पद प्रधान होते हैं।
(4) बहुब्रीहि समास – कोई भी पद प्रधान नहीं होता है।

नोटः 'कर्मधारय' को तत्पुरुष का एक भेद माना गया है और 'द्विगु' को कर्मधारय का एक भेद माना गया है।

(1) अव्ययीभाव समास

अव्ययीभाव समास का पहला पद क्रिया-विशेषण अव्यय होता है और प्रधानता प्रायः प्रथम पद की ही होती है। जैसे– यथा समय (समय के अनुसार) प्रति वर्ष (प्रत्येक वर्ष)।

अव्ययीभाव समास के अन्तर्गत निम्नलिखित कोटि के पद आते हैं–

(क) अव्यय शब्दों के योग से बनने वाले समास– आचरण, व्यर्थ, यावज्जीवन, प्रतिदिन, यथा-संभव, आदि।
(ख) शब्दों की द्विरुक्ति से भी अव्ययीभाव समास बनता है। जैसे– वन-वन, घर-घर, मन्दिर-मन्दिर आदि।
(ग) द्विरुक्ति शब्दों के बीच में कभी-कभी ही, आ, ओं भी प्रयुक्त होते हैं। जैसे–एका-एक, हाथों-हाथ, मन-ही-मन आदि।

(2) तत्पुरुष समास

जिस समस्त पद में द्वितीय या अंतिम पद की प्रधानता को स्वीकारा जाता है उनमें तत्पुरुष समास होता है। जैसे :– राज-भवन (राजा का **भवन**)। उत्तर पद भवन प्रधान है।

तत्पुरुष समास के भेद

(i) व्यधिकरण तत्पुरुष– यह वास्तव में तत्पुरुष समास होता है।

(ii) समानाधिकरण तत्पुरुष– इस समास को कर्मधारय समास कहते हैं।

समस्त पदों में जिस कारक या विभक्ति चिह्न का लोप होता है उसी के आधार पर उसका नामकरण किया जाता है। तत्पुरुष समास में प्रथम पद कारक की स्थिति में होता है। इसके निम्नलिखित भेद हैं–

(क) कर्म तत्पुरुषः प्रथम पद कर्मधारय की स्थिति में होता है तथा कर्म की विभक्ति 'को' का लोप हो जाता है।
जैसे– गगन चुम्बी (गगन को चूमने वाला)
माखन चोर (माखन को चुराने वाला)

(ख) करण तत्पुरुषः प्रथम पद करण कारक की स्थिति में होता है और करण की विभक्ति चिह्न 'से' द्वारा 'के साथ' का लोप होता है।
जैसे– ईश्वर दत्त (ईश्वर द्वारा दत्त)
विश्व बन्ध (विश्व द्वारा बन्ध)

(ग) सम्प्रदान तत्पुरुषः प्रथम पद सम्प्रदान कारक में रहता है तथा सम्प्रदान की विभक्ति 'को', 'के लिए', 'निमित्त', 'हेतु' आदि का लोप होता है।
जैसे– स्वाधीनता संग्राम (स्वाधीनता के लिए संग्राम)

(घ) अपादान तत्पुरुषः इसमें भी प्रथम पद अपादान कारक में होता है तथा अपादान कारक के विभक्ति चिह्न 'से' का लोप हो जाता है।
जैसे– धर्म विमुख (धर्म से विमुख)

(ङ) सम्बन्ध तत्पुरुषः इसका पूर्व पद सम्बन्ध कारक में होता है तथा सम्बन्ध के विभक्ति चिह्न का, के, की का लोप होता है।
जैसे– वन मानुष (वन का मानुष)

(च) अधिकरण तत्पुरुषः अधिकरण तत्पुरुष में पहला पद अधिकरण कारक में होता है तथा अधिकरण कारक का विभक्ति चिह्न 'में' या 'पर' आदि का बोध होता है।
जैसे– आपबीती (आप पर बीती)

(3) द्वन्द्व समास

द्वन्द्व समास में दोनों ही पद प्रधान होते हैं और समस्त पद में दोनों पद संज्ञा या उसका समूह होता है। स्मरणीय है कि इसमें 'और', 'वा' 'अथवा', समुच्चय बोधक का लोप रहता है। इस समुच्चय बोधक के द्वारा दोनों पद जुड़े रहते हैं। द्वन्द्व समास के सामान्यतः निम्नलिखित भेद होते हैं :–

(क) इतरेतर द्वन्द्वः इतरेतर द्वन्द्व में समस्त पदों के बीच 'और' समुच्चय बोधक का लोप होता रहता है।

जैसे– माता-पिता (माता और पिता)
सीता-राम (सीता और राम)
देवर-भाभी (देवर और भाभी)

(ख) समाहार द्वन्द्वः समाहार द्वन्द्व में समस्त पद अपने अर्थ के अलावा उसी रूप के अन्य अर्थ का भी आभास देता है।

जैसे– नमक-रोटी (नमक और रोटी के अतिरिक्त और भी उसी कोटि की खाद्य-सामग्री) रुपया-पैसा, धन-दौलत, सेठ-साहूकार, मान-मर्यादा।

(ग) वैकल्पिक द्वन्द्वः वैकल्पिक द्वन्द्व में दोनों पदों के मध्य 'थ' और 'अथवा' समुच्चय बोधक का लोप रहता है। इस समस्त पद में साधारणतः दो परस्पर विरोधी शब्दों का योग होता है।

जैसे– मान-अपमान, धर्म-अधर्म, ज्ञान-अज्ञान, पाप-पुण्य, चार-छः, दो-चार, जात-कुजात, भला-बुरा।

(4) बहुब्रीहि समास

बहुब्रीहि समास उस समास को कहते हैं जिसमें दोनों ही पद अप्रधान होते हैं। उसमें एक नये अर्थ का संकेत मिलता है।

जैसे– चन्द्रशेखर (चन्द्रमा है शिखर पर जिसके अर्थात् शिव)
चतुर्भुज (चार भुजाएँ हैं जिनकी अर्थात् विष्णु)
गजानन (गज के समान मुख है जिसका अर्थात् गणेश)

(5) कर्मधारय (समानाधिकरण तत्पुरुष)

कर्मधारय समास में दोनों पद प्रधान होते हैं। इसके पदों में विशेषज्ञ-विशेषण, विषेशज्ञ-विशेषण, उपमान-उपमेय का भाव होता है।
जैसे– शशिमुख (शशि सम मुख), नीलाम्बर, पीताम्बर।

कर्मधारय के प्रकार– कर्मधारय के मुख्यतः दो भेद हैं– (1) विशेषता वाचक (2) उपमान वाचक।

(1) **विशेषता वाचक**
विशेषण पूर्वपदः पहला पद विशेषण होता है। जैसे– पीताम्बर, नीलकण्ठ, सुन्दर लाल, सद्गुण, खुशबू, बदबू, काली मिर्च, नीलगाय, छुटभैया।
विशेषणोत्तर पदः इसमें उत्तरपद विशेषण होता है। जैसे– पुरुषोतम, प्रभुदयाल, रामदहिन, देशान्तर, मुनीश्वर, युगान्तर, नराधम, जन्मान्तर।
विशेषणोभय पदः दोनों ही पद विशेषण होते हैं। जैसे– नील-पीत, मोटा ताजा, लाल पीला, श्याम सुन्दर, श्वेत-श्याम, भला-बुरा, खट्टा-मिट्ठा।
विशेष्योभय पदः दोनों ही पद विशेष्य होते हैं। जैसे– प्राणप्रिय, वज्रदेह।

(2) **विशेषता वाचक**
उपमानोत्तर पदः उत्तर पद उपमान होता है। जैसे– मुखारविन्द, राजर्षि।

(6) द्विगु समास

द्विगु समास कर्मधारय समास का एक भेद है। इस समास में पहला पद संख्या बोधक होता है और द्वितीय पद प्रधान होता है। संख्यावाची शब्द समुदाय (समाहार) के अर्थ में प्रयुक्त होता है।

जैसे–नवरत्न (नवरत्नों का समूह), अष्टाध्यायी (आठ अध्यायों का समाहार), त्रिभुवन, तिमाही, पंसेरी, सप्तशती, त्रिकाल, चौमाल।

वर्तनी

हिन्दी शब्दों को लिखने में वर्तनी का बड़ा महत्व है। प्रायः विद्यार्थी लिखने में वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियां करते हैं। ये अशुद्धियाँ संयुक्त वर्ण, विभक्ति चिह्न, क्रिया पद में तो होती ही है साथ ही, व ब तथा श ष स में भी देखने को मिलती हैं। इन अशुद्धियों से बचने का सही उपाय है कि शुद्ध वर्तनी का ज्ञान हो। और यह निरन्तर अभ्यास से ही सम्भव है।

पर्यायवाची

एकार्थ बोधक शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहा जाता है। पर्यायवाची शब्दों में से कुछ पूर्ण पर्याय तथा कुछ अपूर्ण पर्याय की श्रेणी में आते हैं। पूर्ण पर्याय—कपि, वानर, मर्कट, प्लवंग आदि बन्दर के पर्याय हैं। अपूर्ण पर्याय—कृपा, दया, करुणा को कहा जाता है, किन्तु इनके प्रयोग में बहुत अन्तर है। भाषा के सूक्ष्म अध्ययन की दृष्टि से अपूर्ण पर्यायों के मध्य सूक्ष्म अन्तर होता है। इस अन्तर को देखते हुए ही उनका प्रयोग किया जाता है। हिन्दी के शब्द-भंडार की पर्याप्त वृद्धि हुई है। इस दिशा में डॉ. रघुवीर जैसे भाषा-पंडितों ने बहुत काम किया है। भारत सरकार का केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, अनुवाद ब्यूरो तथा राजभाषा विधायी आयोग आदि संस्थाओं द्वारा किए जा रहे शब्द रचना के कार्य सराहनीय हैं। हमारे देश में संस्कृत समृद्ध भाषा है जिससे हिन्दी को बहुत-से शब्द प्राप्त हुए हैं, अतएव पर्यायवाची शब्दों की दृष्टि से हिन्दी समृद्ध है।

विलोमार्थी शब्द

ऐसे शब्दों को विपरीतार्थक, विलोमार्थी अथवा विरोधी शब्द कहा जाता है जो किसी शब्द के ठीक विपरीत अर्थ प्रकट करते हैं। अंग्रेजी में जिन

शब्दों को एण्टानिम्स (Antonyms) कहा जाता है हिन्दी में वही शब्द विलोमार्थी अथवा प्रतिकूल अर्थ के बोधक कहे जाते हैं। अतएव विलोमार्थी शब्दों को यदि हम परिभाषाबद्ध करना चाहें तो कह सकते हैं कि—'किसी एक शब्द के ठीक विपरीत अर्थ प्रकट करने वाले शब्द विलोम कहे जाते हैं। इन शब्दों को विपर्याय के रूप में भी जाना जाता है।'

विलोमार्थी शब्दों का महत्त्व

भाषा कोई भी क्यों न हो उसकी सम्पन्नता उसके शब्दों की संख्या से जानी जाती है। आज विश्व में सर्वाधिक सम्पन्न भाषा अंग्रेजी है जिसके शब्दों का निरंतर वार्धक्य होता जाता है। नये-नये विज्ञानों का प्रादुर्भाव होने से उससे सम्बन्धित शब्द भी गढ़े जाते हैं। और उन शब्दों के प्रतिकूल शब्दों की आवश्यकता भी अनुभव की जाती है। नतीजतन शब्दों का सृजन अनवरत गति से चलता रहा है। हिन्दी में भी यह काम काफी द्रुतगति से हो रहा है। कोई माने या न माने किन्तु जब से केन्द्र में हिन्दी को राजभाषा का गरिमामय पद मिला है तब से उसके विकास की गति भी बढ़ी है। विभिन्न क्षेत्रों में उसका प्रवेश हो रहा है। विज्ञान, इंजीनियरी, चिकित्साशास्त्र, आणविकी आदि सभी से सम्बन्धित शब्दों की रचना हिन्दी में अबाध गति से की जा रही है। ये सब प्रभावी लक्षण हैं। शब्दों के समानार्थी तथा विपरीतार्थी दोनों की जरूरत पड़ती रहती है और आज के युग में जबकि प्रतियोगिता का महत्त्व काफी बढ़ गया है विपरीतार्थी शब्द भी किसी के भाषाई ज्ञान की माप करने में उपादेय सिद्ध होते हैं।

इसके अतिरिक्त विपरीतार्थक शब्द किन्हीं दो अच्छी या बुरी वस्तुओं की तुलना करने के लिए भी काफी उपादेय सिद्ध होते हैं। ऐसे शब्दों के प्रयोग से भाषा में निखार आता है, भाषण प्रभावशाली बन जाता है तथा लेखन गरिमावान दिखाई पड़ने लगता है।

श्रुति समभिन्नार्थक शब्द

युग्म शब्द को श्रुतिसम भिन्नार्थक या समोच्चरित शब्द भी कहा जाता है। इस प्रकार के दो शब्दों में मामूली-सा अन्तर होता है। वह अन्तर मात्रागत या वर्णगत होता है। फलतः ऐसे शब्द सुनने में एक समान तो लगते हैं लेकिन अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं। हिन्दी में ऐसे शब्दों की संख्या अत्यधिक है। नीचे वैसे प्रमुख शब्द युग्मों को अर्थ सहित प्रस्तुत किया जा रहा है :

1.	अंश	=	भाग/हिस्सा
	अंस	=	कन्धा
2.	अपेक्षा	=	आवश्यकता/उम्मीद
	उपेक्षा	=	अवहेलना
3.	अभिराम	=	सुन्दर
	अविराम	=	लगातार
4.	अनल	=	आग
	अनिल	=	हवा
5.	अवलम्ब	=	आश्रय/सहारा
	अविलम्ब	=	शीघ्र
6.	अन्त	=	समाप्त/खत्म
	अन्त्य	=	अन्तिम
7.	अभिहित	=	कथित
	अविहित	=	अनुचित
8.	अम्बुज	=	कमल
	अम्बुद	=	बादल
9.	अलि	=	भ्रमर
	अली	=	सखी
10.	उपकार	=	भलाई
	अपकार	=	बुराई
11.	अजिक	=	ललाट
	अलीक	=	झूठ
12.	अभिनय	=	स्वांग
	अविनय	=	उद्दण्डता
13.	अतल	=	तलहीन
	अतुल	=	जिसकी तुलना न हो सके
14.	अकथ	=	जो कहा नहीं जाय
	अथक	=	बिना थके हुए
15.	अन्न	=	अनाज
	अन्य	=	दूसरा
16.	आदि	=	आरम्भ/शुरू
	आदी	=	अभ्यस्त, अदरक
17.	अभय	=	निर्भय
	उभय	=	दोनों
18.	अर्जन	=	संग्रह
	अर्चन	=	पूजा
19.	अमित	=	अत्यधिक
	अमीत	=	शत्रु
20.	अणु	=	सूक्ष्म कण
	अनु	=	पीछे
21.	अशक्त	=	असमर्थ
	असक्त	=	विरक्त
22.	अब्ज	=	कमल
	अब्द	=	बादल
23.	अवधि	=	समय
	अवधी	=	अवध की भाषा
24.	अभ्यास	=	अनुशीलन
	अभ्याश	=	पड़ोस
25.	आभरण	=	आभूषण
	आमरण	=	मरण तक
26.	आकर	=	खान
	आकार	=	आकृति
27.	आयत	=	चतुर्भुज
	आयात	=	बाहर से लाना
28.	आर्त	=	दुःखी
	आर्द्र	=	गीला

29. आवास	=	वास स्थान
आभास	=	झलक
30. आवृत्त	=	घिरा हुआ
आवृत्ति	=	दुहराना
31. इत्र	=	सुगन्धित पदार्थ
इतर	=	दूसरा
32. स्त्री	=	महिला
इस्तिरी	=	कपड़े पर कलप करना
33. अरि	=	दुश्मन
अरी	=	स्त्री के लिए सम्बोधन
34. उद्यत	=	तैयार, तत्पर
उद्धत	=	उद्दण्ड
35. ऋतु	=	मौसम
ऋत	=	सत्य
36. कश	=	चाबुक
कष	=	कसौटी
37. कुल	=	वंश
कूल	=	किनारा
38. कलि	=	कलियुग
कली	=	अधखिला फूल
39. कपिश	=	मटमैला
कपीश	=	बन्दरों का राजा
40. कर्म	=	कार्य
क्रम	=	सिलसिला
41. कंगाल	=	दरिद्र
कंकाल	=	ठठरी (मानव की)
42. कटिबद्ध	=	तैयार
कटिबन्ध	=	कमर बन्द
43. करोड़	=	सौ लाख की संख्या
क्रोड़	=	गोद
44. कृत	=	किया हुआ
क्रीत	=	खरीदा हुआ
45. कृपण	=	कंजूस
कृपाण	=	कटार
46. कृषाण	=	किसान
कृशानु	=	आग
47. क्रान्ति	=	उलटफेर, आन्दोलन
कांति	=	चमक
48. कुट	=	किला
कूट	=	पहाड़ की चोटी
49. कुजन	=	दुर्जन
कूजन	=	पक्षियों का कलरव
50. केशर	=	सिंह की गर्दन के बाल
केसर	=	कुमकुम
51. कोष	=	खजाना
कोश	=	शब्द-संग्रह
कोस	=	दो मील की दूरी
52. खाद	=	उर्वरक
खाद्य	=	खाने की सामग्री
53. खोया	=	भूल गया
खोआ	=	दूध से निर्मित खाद्य पदार्थ
54. गिरि	=	पर्वत
गिरी	=	बीज/गूदा
55. चषक	=	प्याला
चसक	=	आदत
56. चरण	=	पैर
चारण	=	भाट
57. चिर	=	पुराना
चीर	=	वस्त्र
58. चिता	=	शव जलाने के लिए लकड़ियों की शय्या
चीता	=	एक हिंसक पशु
59. गृह	=	घर
ग्रह	=	नक्षत्र
60. करण	=	इन्द्रियाँ, करण कारक
कर्ण	=	कान
61. कुच	=	स्तर
कूच	=	प्रस्थान
62. कौर	=	ग्रास
कोर	=	किनारा
63. चतुष्पद	=	चौपाया
चतुष्पथ	=	चौराहा
64. चक्रवात	=	बवंडर
चक्रवाक	=	चकवा पक्षी
65. छत्र	=	छाता
छात्र	=	विद्यार्थी
66. क्षति	=	हानि
क्षिति	=	पृथ्वी
67. जलज	=	कमल
जलद	=	बादल
68. नीरज	=	कमल
नीरद	=	बादल
69. जघन्य	=	गर्हित
जघन	=	जाँघ
70. जगत्	=	संसार
जगत	=	कुएँ का चबूतरा
71. जामन	=	दूध जमाने के लिए प्रयुक्त पदार्थ
जामुन	=	एक फल
72. जेठ	=	वर्ष का एक महीना
ज्येष्ठ	=	बड़ा (उम्र में)
73. टुक	=	थोड़ा
टूक	=	टुकड़ा
74. टोटा	=	घाटा
टोंटा	=	बन्दूक का कारतूस

75.	तरणि	=	सूर्य
	तरणी	=	नाव
76.	दाई	=	धामी, नौकरानी
	दायी	=	जवाबदेह
77.	दारु	=	लकड़ी
	दारू	=	शराब
78.	दिवा	=	दिन
	दीया	=	दीपक
79.	दिन	=	दिवस
	दीन	=	गरीब
80.	द्विप	=	हाथी
	द्वीप	=	टापू
81.	दुर्ग	=	गढ़
	दुर्गा	=	एक देवी
82.	दमन	=	दबाना
	दामन	=	आँचल
83.	तक्र	=	मट्ठा
	तर्क	=	बहस
84.	द्रव्य	=	धन
	द्रव	=	तरल पदार्थ
85.	देव	=	देवता
	दैव	=	भाग्य
86.	नहर	=	कृत्रिम नदी
	नाहर	=	सिंह
87.	नग	=	पहाड़
	नाग	=	सर्प
88.	नगर	=	शहर
	नागर	=	चतुर व्यक्ति
89.	नाश	=	ध्वंश
	नास	=	सुंघनी
90.	नारी	=	स्त्री
	नाड़ी	=	नब्ज
91.	निसान	=	झण्डा
	निशान	=	चिह्न, प्रतीक
92.	निर्जर	=	देवता
	निर्झर	=	झरना
93.	निहित	=	छिपा हुआ
	निहत	=	मरा हुआ
94.	नियत	=	निश्चित
	नीयत	=	इरादा
	नियति	=	भाग्य
95.	नमित	=	नत
	निमित्त	=	कारण
96.	नीर	=	जल
	नीड़	=	घोंसला
97.	निर्माण	=	बनाना
	निर्वाण	=	मोक्ष

98.	नकल	=	अनुकरण
	नकुल	=	नेवला, पाण्डवों में एक
99.	निधन	=	मृत्यु
	निर्धन	=	गरीब
100.	नित	=	प्रतिदिन
	नीत	=	लाया हुआ
101.	नीम	=	एक पेड़
	नींव	=	आधार
102.	नेत्र	=	आँख
	नेतृ	=	नेता
103.	पुरुष	=	मर्द
	परुष	=	कठोर
104.	परिधान	=	वस्त्र
	प्रधान	=	मुख्य
105.	पवन	=	हवा
	पावन	=	पवित्र
106.	पाहन	=	पत्थर
	पाहुन	=	अतिथि
107.	परवाह	=	चिन्ता
	प्रवाह	=	बहाव
108.	प्रहर	=	समय
	प्रहार	=	चोट
109.	परिताप	=	दुःख
	प्रताप	=	पराक्रम
110.	पथ	=	मार्ग
	पथ्य	=	रोगी का भोजन
111.	पट्ट	=	तख्ता
	पट	=	वस्त्र
112.	प्रमाण	=	सबूत
	प्रणाम	=	नमस्कार
113.	परिणाम	=	फल
	परिमाण	=	मात्रा
114.	प्रणय	=	प्रेम
	परिणय	=	विवाह
115.	परदेश	=	दूसरा देश
	प्रदेश	=	प्रान्त, राज्य
116.	परीक्षा	=	इम्तहान
	परिक्षा	=	कीचड़
117.	प्रदीप	=	दीपक
	प्रतीप	=	उल्टा
118.	पानी	=	जल
	पाणि	=	हाथ
119.	पास	=	निकट
	पाश	=	बन्धन
120.	पिक	=	कोयल
	पीक	=	पान का थूक

121.	प्रेषित	=	भेजा हुआ
	प्रोषित	=	प्रवासी
122.	फन	=	कला
	फण	=	साँप का फण
123.	बलि	=	बलिदान
	बली	=	वीर
124.	बहन	=	भगिनी
	वहन	=	ढोना
125.	बहु	=	बहुत
	बहू	=	पुत्रवधू
126.	बार	=	दफा
	वार	=	दिन
127.	वाण	=	तीर
	बान	=	आदत
128.	बात	=	वचन
	वात	=	हवा
129.	भवन	=	घर
	भुवन	=	संसार
130.	भट	=	योद्धा
	भट्ट	=	पण्डित
131.	भाल	=	ललाट
	भार	=	वजन
132.	मल	=	गन्दगी
	मल्ल	=	पहलवान
133.	मणि	=	रत्न
	मणी	=	सर्प
134.	मद	=	अहंकार
	मद्य	=	शराब
135.	मनुज	=	मनुष्य
	मनोज	=	कामदेव
136.	मांस	=	गोश्त
	मास	=	महीना
137.	मात्र	=	केवल
	मातृ	=	माता
138.	मेध	=	यज्ञ
	मेघ	=	बादल
139.	मेदा	=	पेट
	मैदा	=	बारीक आटा
140.	रत	=	तल्लीन
	रक्त	=	खून
141.	रेचक	=	दस्तावर
	रोचक	=	रूचिकर
142.	लक्ष	=	लाख
	लक्ष्य	=	उद्देश्य
143.	लवण	=	नमक
	लवन	=	खेत के फसल की कटाई
144.	वस्तु	=	चीज
	वास्तु	=	इमारत, भवन
145.	अकुल	=	बिना कुल के
	आकुल	=	व्याकुल
146.	वरद	=	वर देने वाला
	विरद	=	यश
147.	वरण	=	चुनना
	वरन्	=	बल्कि
148.	वाद	=	विचार/सिद्धान्त
	वाद्य	=	बाजा
149.	वदन	=	मुख
	बदन	=	शरीर
150.	विस्मृत	=	भूला हुआ
	विस्मित	=	आश्चर्य में पड़ा हुआ
151.	विपिन	=	जंगल
	विपन्न	=	दुःखी, निर्धन
152.	वित्त	=	धन
	वृत्त	=	गोलाकार
153.	विष	=	जहर
	विस	=	कमल का डण्ठल
	बीस	=	उन्नीस से एक अधिक संख्या
154.	सम	=	समान
	शय	=	संचय
155.	सहर	=	सबेरा
	शहर	=	नगर
156.	शव	=	लाश
	शब	=	रात
157.	सिता	=	चीनी
	सीता	=	जानकी
158.	शस्त्र	=	हथियार
	शास्त्र	=	ग्रन्थ
159.	सर	=	तालाब
	शर	=	बाण
160.	सुर	=	देवता
	सूर	=	अंधा
	शूर	=	वीर
161.	सुत	=	बेटा
	सूत	=	सारथी, धागा
162.	सप्त	=	सात
	शप्त	=	शाप ग्रस्त
163.	शंकर	=	शिव
	संकर	=	दोगला
164.	सर्ग	=	काव्य का अध्याय
	स्वर्ग	=	कल्पित लोक
165.	स्वपच	=	स्वयंवाकी
	श्वपच	=	चाण्डाल

166. सत्व	=	सार
स्वत्व	=	अधिकार
167. समिति	=	सभा
सम्मति	=	सलाह
168. शय्या	=	बिछावन
सज्जा	=	सजावट
169. संग	=	साथ
संघ	=	समिति, संगठन
170. शाला	=	घर
साला	=	पत्नी का भाई
171. सबल	=	ताकतवर
शवल	=	चितकबरा
172. सर्व	=	सभी
शर्व	=	शंकर
173. सुगन्ध	=	खुशबू
सौगन्ध	=	कसम
174. शुक्ति	=	सीप
सूक्ति	=	अच्छी उक्ति
175. शीशा	=	काँच
सीसा	=	एक धातु
176. सती	=	पतिव्रता नारी
शती	=	शताब्दी
177. श्वेत	=	सफेद
श्वेद	=	पसीना
178. शुक	=	सुग्गा
शूक	=	जौ
179. शिखर	=	चोटी (पर्वत की)
शेखर	=	सिर
180. शक्ल	=	चेहरा
सकल	=	सम्पूर्ण
181. हरि	=	विष्णु
हरी	=	हरे रंग की
182. सुमन	=	फूल
सुअन	=	पुत्र
183. संदेह	=	शक
सदेह	=	सशरीर
184. स्व	=	अपना
श्व	=	आने वाला दिन
185. शुचि	=	पवित्र
सूची	=	विषय क्रम
186. सुधि	=	स्मरण
सुधी	=	समझदार, विद्वान्
187. हल	=	जोतने का यंत्र
हल्	=	शुद्ध व्यंजन
188. भंगि	=	लहर
भंगी	=	मेहतर
189. दूत	=	संवाददाता
द्यूत	=	जुआ का खेल
190. देश	=	राज्य
द्वेष	=	शत्रुता
191. तरंग	=	लहर
तुरंग	=	घोड़ा
192. चालक	=	ड्राइवर
चालाक	=	चतुर
193. लोम	=	रोवाँ
लोभ	=	लालच
194. बिना	=	रहित, अभाव
वीणा	=	एक वाद्य यंत्र
195. प्रसाद	=	कृपा
प्रासाद	=	महल
196. भित्ति	=	दीवार
भीति	=	डर
197. मूल	=	जड़
मूल्य	=	दाम
198. अक्ष	=	धुरी
यक्ष	=	एक देव योनि
199. अश्व	=	घोड़ा
अश्म	=	पत्थर
200. आसन	=	बैठने की वस्तु
अशन	=	भोजन
201. अह	=	दिन
अहि	=	साँप
202. अणि	=	सूई की नोक
अनी	=	फौज
203. दारा	=	पत्नी
द्वार	=	दरवाजा
204. पृथा	=	कुन्ती
प्रथा	=	रीति
205. श्रवण	=	कान
स्रवन	=	बहना
206. श्याम	=	श्री कृष्ण
स्याम	=	एक देश
207. वृन्द	=	समूह
वृन्त	=	डण्ठल
208. मित	=	थोड़ा
मित्र	=	दोस्त
209. दुरति	=	पाप
दुरत	=	छिपा
210. चार	=	चार की संख्या
चारु	=	सुन्दर

वाक्यों की शुद्धता

वाक्य में शब्दों के प्रयोग पर हमें विशेष ध्यान रखना चाहिए। प्रत्येक शब्द का अपना एक विशेष अर्थ होता है। एक ही अर्थ देने वाले कई शब्द हो सकते हैं, किन्तु हमें ध्यान रखना चाहिए कि किस प्रसंग में कौन-सा शब्द प्रयुक्त होगा और कौन-सा शब्द वहां उपयुक्त नहीं बैठेगा। अनुपयुक्त शब्द का प्रयोग करने से अर्थ-भ्रान्ति पैदा होती है। शब्दों का ठीक प्रयोग करने से अभीष्ट अर्थ निकलेगा।

अशुद्धियों के कारणों का विश्लेषण करने के बाद हम देख सकते हैं कि वर्तनी की गलतियाँ होती हैं। ह्रस्व और दीर्घ मात्राओं की गलतियां होती हैं, संयुक्ताक्षरों की गलतियां होती हैं और वाक्यों के निर्माण में भी गलतियाँ होती हैं। मोटे तौर पर हम कह सकते हैं कि वर्ण, शब्द और वाक्य तीनों प्रकार की अशुद्धियाँ देखने को मिलती हैं। इन अशुद्धियों के कारण भाषा दूषित हो जाती है। यदि हम थोड़ी सी सावधानी बरतें, तो हम ऐसी अशुद्धियों से बच सकते हैं।

वाक्यांश के लिए एक शब्द

कथन में लम्बे-लम्बे वाक्यों का प्रयोग करने तथा शब्दों को परिभाषित करने के बजाय यदि एक शब्द का प्रयोग किया जाए तो कथन स्वत: संक्षिप्त और स्पष्ट हो जाता है। कुशल साहित्यकार अपनी रचनाओं में शब्दों का अपव्यय नहीं करते। वाक्य या वाक्यांश के लिए एक शब्द का प्रयोग कथन में आकर्षण और सौन्दर्य भर देता है। हिन्दी भाषा की यह विशेषता है कि उसे संस्कृत शब्दों का प्रचुर भण्डार सुलभ है। इसलिए हिन्दी भाषा कोश में ऐसे अनेक तत्सम शब्द हैं जो वाक्य या वाक्यांश के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं।

अपने आशय और मन्तव्य को संक्षेप में प्रकट करने के लिए ही ऐसे शब्दों को गढ़ा गया है जिन्हें गागर में सागर कहा जा सकता है।

इसीलिए अपनी भाषा को समर्थ, प्रभावी तथा आकर्षक बनाने के लिए ऐसे शब्दों की जानकारी रखना नितान्त आवश्यक होता है। भाषा में शक्ति के स्रोत उसके शब्द माने जाते हैं। यहाँ इसी उद्देश्य से अनेक ऐसे शब्द संजोए गए हैं जिनका अर्थ पूरे वाक्य या वाक्यांश द्वारा ही स्पष्ट होता है। इनसे न केवल पाठकों के शब्द भण्डार में वृद्धि होगी वरन् वे हिन्दी भाषा लिखने में भी कुशल बन सकेंगे।

मुहावरा एवं लोकोक्तियां

मुहावरे

मुहावरा ऐसा शब्द-समूह होता है, जो अपने शब्दों के निहित अर्थ न देकर उससे भिन्न, किन्तु एक रूढ़ अर्थ देता है। मुहावरा अभिधेय अर्थ का अनुसरण नहीं करता : वह अपना विलक्षण अर्थ प्रकट करता है। चूँकि मुहावरा लोक-मानस की स्वाभाविक अभिव्यक्ति होता है, अत: इसमें दुरूहता नहीं होती। मुहावरा अपने लोक-परम्परागत रूप में ही शोभायमान और सार्थक होता है। इसका रूप और अर्थ दोनों ही प्राय: रूढ़ होते हैं।

मुहावरे का सम्बन्ध साहित्य से कम और भाषा से अधिक होता है। यह भाषा के सामर्थ्य का प्रतीक होता है। इसका सटीक अर्थ और निर्दिष्ट अर्थ होता है। मुहावरों के माध्यम से भाषा ऊर्जस्वी बनती है और अर्थ का सटीक सम्प्रेषण होता है। मुहावरेदार भाषा असरदार होती है।

मुहावरे एक दृष्टि से 'गागर में सागर' होते हैं। गुल खिलना, रंग में भंग होना, नौ-दो ग्यारह होना, गप हाँकना, चिकना घड़ा होना, नानी मरना आदि मुहावरे व्यापक अर्थ में परिपूर्ण हैं। इनका प्रयोग सुनते ही मन में इनका अर्थ अपने आप उभरने लगता है।

लोकोक्तियाँ

जैसाकि शब्द से ही स्पष्ट है लोकोक्ति का अर्थ है लोक + उक्ति; अर्थात् लोक में प्रचलित उक्ति। जो उक्ति समाज में चिरकाल से प्रचलित होती है, उसे लोक प्रचलित उक्ति अर्थात् लोकोक्ति कहते हैं। लोकोक्तियाँ भूतकाल के अनुभव और प्रेक्षण का संचय होती हैं। लोकोक्तियों में लोक-बोध, लोक-मान्यता और लोक-स्वीकृति होती है। कुछ लोकोक्तियाँ किसी अन्तर्कथा को अभिव्यक्त करती हैं। लोकोक्तियों के उद्‌भव को किसी स्थान या काल से नहीं जोड़ा जा सकता।

लोकोक्तियाँ अपने आप में पूर्ण वाक्य होती हैं। इनका उद्देश्य उक्ति चमत्कार पैदा करना नहीं होता। इनका अभिधात्मक अर्थ ही लिया जाता है। अत: इनके शाब्दिक अर्थ और सांकेतिक अर्थ में समानता होती है। इनका प्रयोग प्राय: दृष्टांत के लिए अथवा किसी बात का समर्थन करने के लिए किया जाता है। ये अभिव्यक्ति का सशक्त साधन हैं।

मुहावरों और लोकोक्तियों में अन्तर

मुहावरों और लोकोक्तियों में रूप सम्बन्धी और अर्थ सम्बन्धी भी अन्तर होता है।

रूप सम्बन्धी पहला अन्तर यह है कि मुहावरों के अन्त में अधिकांशत: **ना** होता है, जैसे सिर धुन**ना**, आँख लग**ना**, टेढ़ी खीर हो**ना**, मक्खी मार**ना**, आसमान सिर पर उठा**ना** आदि जबकि लोकोक्तियों के अन्त में **ना** नहीं होता; जैसे—आ बैल मुझे मार, का वर्षा जब कृषि सुखानी, दीवार के भी कान होते हैं, और धोबी का कुत्ता, घर का न घाट का, आदि।

रूप सम्बन्धी दूसरा अन्तर यह होता है कि मुहावरे मात्र शब्द-समूह होते हैं, जैसे 'गुल खिलाना'; इसे स्वतन्त्र रूप से प्रयोग में नहीं लाया जा सकता, किसी वाक्य में इसे उपयुक्त ढंग से प्रयुक्त किया जाता है; जैसे—'उस बूढ़ी औरत ने क्या गुल खिलाया'; इसके विपरीत लोकोक्ति का प्रयोग स्वतंत्र वाक्य के रूप में किया जा सकता है; जैसे—'न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी'।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

संधि

1. 'मृत्यु + उपरांत' में संधि करने से एक शब्द होगा–
A. मृत्यूपरांत B. मृत्योपरांत
C. मृत्युपर्यन्त D. मर्त्योपरांत

2. 'अनधिकृत' शब्द का संधि-विग्रह होगा–
A. अन + अधिकृत B. अन् + अधिकृत
C. अन्य + अधिकृत D. अन्नधि + कृत

3. 'कपि + ईश' का सही संधि-संयोजन कीजिए–
A. कपिश B. कपीश
C. कपेश D. कपिशि

4. विसर्ग के साथ स्वर अथवा व्यंजन के संयोग से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे किस संधि के नाम से जानते हैं?
A. स्वर संधि B. व्यंजन संधि
C. विसर्ग संधि D. इनमें से कोई नहीं

5. 'परोपकार' शब्द का संधि-विच्छेद होगा–
A. परा + उपकार B. परो + पकार
C. परोप + कार D. पर + उपकार

6. 'मनः + रमा' में संधि करने से जो शब्द बनेगा, उसका सम्बन्ध किस संधि से होगा?
A. विसर्ग संधि B. स्वर संधि
C. व्यंजन संधि D. भाव संधि

7. 'चन्द्रोदय' में कौन-सी संधि है?
A. यण संधि B. दीर्घ संधि
C. वृद्धि संधि D. गुण संधि

8. निम्नलिखित में से 'वृद्धि स्वर संधि' किस शब्द में है?
A. रजनीश B. महौषध
C. यतीन्द्र D. शोधार्थी

9. 'सदाशय' का सही संधि-विच्छेद होगा–
A. सद + आशय B. सतत + आशय
C. सत् + आशय D. सदा + आशय

10. 'सन्मार्ग' में कौन-सी संधि है?
A. स्वर संधि B. व्यंजन संधि
C. विसर्ग संधि D. इनमें से कोई नहीं

11. 'ज्ञानोदय' में कौन-सी संधि है?
A. स्वर संधि B. व्यंजन संधि
C. विसर्ग संधि D. इनमें से कोई नहीं

12. 'निराधार' में कौन-सी संधि है?
A. स्वर संधि B. व्यंजन संधि
C. विसर्ग संधि D. इनमें से कोई नहीं

13. निम्नलिखित शब्दों में से किसमें विसर्ग संधि है?
A. अतएव B. नरेन्द्र
C. सज्जन D. सदैव

14. निम्नलिखित शब्दों में से किसमें व्यंजन संधि है?
A. सप्तर्षि B. निराधार
C. सत्कार D. हिमालय

15. 'जगन्नाथ' किस संधि का उदाहरण है?
A. व्यंजन संधि B. विसर्ग संधि
C. दीर्घ स्वर संधि D. यण स्वर संधि

16. निम्नलिखित शब्द का संधि-विच्छेद क्या होगा?
भानूदय
A. भानु + उदय B. भानू + उदय
C. भानू + ऊदय D. भानु + ऊदय

17. 'निर्गुण' का संधि-विच्छेद होगा–
A. निर + गुण B. नि + गुण
C. निः + गुण D. निर + गुण

18. 'महेन्द्र' का संधि विच्छेद है–
A. मही + इन्द्र B. महो + इन्द्र
C. महा + इन्द्र D. इनमें से कोई नहीं

19. 'यद्यपि' का संधि विच्छेद है–
A. यदि + अपि B. यद् + द्यपि
C. यधि + अपि D. यद + अपि

20. निम्नलिखित में 'भारतेंदु' का सही संधि-विच्छेद है–
A. भारत + तेन्दु B. भार + तेन्दु
C. भारत + एन्दु D. भारत + इन्दु

21. 'उद्घाटन' शब्द का सही संधि-विच्छेद होगा–
A. उत् + घाटन B. उद् + घाटन
C. उद्ध + आटन D. इनमें से कोई नहीं

22. 'सत्कर्म' का संधि-विच्छेद है–
A. सत + कर्म B. सतत् + कर्म
C. सत् + कर्म D. सम + कर्म

23. 'अत्यन्त' शब्द का सही संधि-विग्रह है–
A. अत् + यन्त B. अति + यन्त
C. अति + अन्त D. अत् + अन्त

24. निम्नलिखित शब्द का सही संधि-विच्छेद चुनिए–
ब्रह्माण्ड
A. ब्रह्मा + अंड B. ब्रह्मण + अंड
C. बृहत् + अंड D. बृह + माण्ड

25. 'निरपेक्ष' शब्द का संधि-विच्छेद होगा–
A. निर् + पेक्ष B. नि + पेंक्ष
C. निर + पेक्ष D. निः + अपेक्ष

26. तत् + शंकर की संधि होगी–
A. तत्शंकर B. तच्छंकर
C. तक्षंकर D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

27. 'कठोपनिषद्' का संधि-विच्छेद होगा–
A. कटु + उपनिषद् B. कठो + उपनिषद्
C. कठोप + निषद् D. कठ + उपनिषद्

28. 'भावुक' का संधि-विच्छेद होगा–
A. भाव + उक B. भो + ऊक
C. भव्य + उक D. भौ + उक

29. 'विद्यामंदिर' का विग्रह होगा–
A. विद्या का मंदिर B. विद्या के लिए मंदिर
C. विद्या और मंदिर D. विद्या के समान मंदिर

30. 'उत्कोच' का संधि विच्छेद होगा–
A. उद् + कोच B. उत् + कोच
C. उत + कोच D. उद + कोच

31. कौन-सा शब्द विसर्ग संधि का नहीं है?
A. यशोगान B. निष्कपट
C. मनोहर D. अभिषेक

32. 'मनीषा' का संधि-विच्छेद है–
A. मनि + ईषा B. मनी + ईषा
C. मनस् + ईषा D. मणि + ईशा

33. निम्नलिखित में से दीर्घ संधि का उदाहरण कौन-सा है?
A. नरेश B. नेति
C. मध्वाचार्य D. कामायनी

34. 'अति + उक्ति' शब्दों की संधि करने पर शब्द होगा–
A. अत्युक्ति B. अत्योक्ति
C. अतियुक्ति D. अतिउक्ति

35. 'निराधार' शब्द का संधि-विच्छेद है–
A. निः + आधार B. निरा + आधार
C. निरम् + आधार D. निर् + आधार

36. 'अन्वेषण' का संधि-विच्छेद होगा–
A. अन + वेषण B. अनु + एषण
C. अनु + ऐषण D. अन् + वेषण

37. 'सज्जन' का संधि-विच्छेद होगा–
A. सज् + जन B. सद् + जन
C. सत् + जन D. स + ज् + जन

38. 'इत्यादि' का सन्धि-विच्छेद होगा–
A. इत + आदि B. इति + यादि
C. इति + आदि D. इत्य + आदि

39. 'दुर्जन' का सन्धि-विच्छेद होगा–
A. दुर + जन B. दु + जन
C. दुः + जन D. दु + रजन

40. 'नमस्ते' शब्द का सन्धि-विच्छेद है–
A. नम + स्ते B. नमस् + ते
C. नमः + स्ते D. नमः + ते

41. 'महोत्सव' का संधि-विच्छेद है–
A. महा + उत्सव B. महो + उत्सव
C. मह + ओत्सव D. मही + उत्सव

42. 'पवन' का शुद्ध सन्धि-विच्छेद है–
A. पो + अन B. पव + अन
C. पः + अवन D. पव + न्

43. 'विष्णवे' का संधि-विच्छेद है–
A. विष्णु + ए B. विष्णो + ए
C. विष्णु + अए D. विष्णु + अवे

44. 'स्वागतम्' में कौन-सी संधि है?
A. गुण संधि B. यण् संधि
C. वृद्धि संधि D. दीर्घ संधि

45. 'उच्चारण' में कौन-सी संधि है?
A. व्यंजन संधि B. स्वर संधि
C. विसर्ग संधि D. विलोम संधि

46. 'उल्लेख' का संधि-विच्छेद है–
A. उल् + लेख B. उत् + लेख
C. उल्ल + लेख D. उ + आलेख

47. 'अत्याचार' का शुद्ध संधि-विच्छेद है–
A. अत्य + आचार B. अति + चार
C. अत्या + चार D. अति + आचार

48. 'दिगम्बर' का संधि-विच्छेद क्या होगा?
A. दिग् + अम्बर B. दिक् + अम्बर
C. दिग + अम्बर D. दिक + अम्बर

49. 'पावक' का शुद्ध संधि-विच्छेद होगा–
A. पौ + अक B. पा + अवक
C. पव + अक् D. पाव + अक

50. 'उपैति' का संधि-विच्छेद बताइए–
A. अप + इति B. उपै + इति
C. उप + ऐति D. उप + एति

51. 'नवोढ़ा' का सन्धि-विच्छेद है–
A. नव + उढ़ा B. नवो + ढ़ा
C. नव + ऊढ़ा D. न + ओढ़ा

52. 'उड्डयनम' का सन्धि-विच्छेद होगा–
A. उत + डयनम् B. उद् + डयनम्
C. उड + अयनम् D. उड् + डयनम्

53. 'दिंगत' शब्द का संधि-विच्छेद होगा–
A. दिक् + अंत B. दिग् + अंत
C. दि + गंत D. दिग + अंत

54. 'परिच्छेद' में कौन-सी सन्धि है?
A. व्यंजन संधि B. दीर्घ संधि
C. विसर्ग संधि D. वृद्धि संधि

55. 'अन्यान्य' शब्द का संधि-विच्छेद होगा–
A. अ + न्यान्य B. अन्य + अन्य
C. अन् + यान्य D. अन्या + आन्य

56. व्यंजन संधि का उदाहरण नहीं है–
A. उत् + चारणम् = उच्चारणम्
B. रामस् + टीकते = रामष्टीकते
C. गंगा + उदकम = गंगोदकम्
D. सत् + चित् = सच्चित्

57. स्वस्त्यस्तु का संधि-विच्छेद होगा–
A. स्वस्ति + अस्तु B. स्वः + अस्त्यस्तु
C. स्वस्त्य + अस्तु D. स्व + स्त्यस्तु

58. 'तेजोमय' का सही सन्धि-विच्छेद है–
A. तेज + ओमय B. तेजः + अमय
C. तेजः + मय D. तेजो + मय

59. 'तथेति' का सन्धि-विच्छेद होगा–
A. तथ + इति B. ता + थेति
C. तथा + इति D. तथा + इत

60. 'वृहस्पति' का संधि-विच्छेद है–
A. वृहस + पति B. वृहस् + पति
C. वृहः + पति D. वृहश् + पति

61. 'व्याप्त' में संधि है–
A. गुण संधि B. दीर्घ संधि
C. यण् संधि D. अयादि संधि

62. 'पित्राकृतिः' का शुद्ध संधि विच्छेद है–
A. पितृ + आकृतिः B. पित्र + आकृतिः
C. पित्रृ + आकृतिः D. पितु + आकृतिः

63. 'न्यून' का संधि विच्छेद होगा–
A. नि + ऊन B. न्यू + नन
C. नव + ऊन D. नवी + नन

64. 'षडानन' में कौन-सी संधि है?
A. दीर्घ संधि B. वृद्धि संधि
C. यण संधि D. गुण संधि

65. 'धर्मात्मा' में कौन-सी संधि है?
A. स्वर संधि B. व्यंजन संधि
C. विसर्ग संधि D. यण संधि

66. 'रेखांकित' में प्रयुक्त संधि है–
A. गुण संधि B. वृद्धि संधि
C. दीर्घ संधि D. स्वर संधि

67. 'निश्छल' में कौन-सी संधि है?
A. गुण संधि B. स्वर संधि
C. दीर्घ संधि D. वृद्धि संधि

68. 'दुरुपयोग' में प्रयुक्त संधि है–
A. स्वर संधि B. यण संधि
C. गुण संधि D. दीर्घ संधि

69. 'अत्यावश्यक' का संधि विच्छेद है–
A. अ + आवश्यक B. अति + आवश्यक
C. अत्य + आवश्यक D. अत्या + वश्यक

70. 'वाङ्मय' का संधि विच्छेद है–
A. वांग + मय B. वाक् + मय
C. वान् + मय D. इनमें से कोई नहीं

71. 'उपर्युक्त' का संधि विच्छेद क्या है?
A. उप + रूक्त B. उपरि + उक्त
C. उपर + युक्त D. उपः + युक्त

72. 'चन्द्रोदय' शब्द में है–
A. स्वर संधि B. व्यंजन संधि
C. विसर्ग संधि D. इनमें से कोई नहीं

73. 'निष्कपट' का संधि विच्छेद है–
A. निः + कपट B. निष + कपट
C. नि + कपट D. इनमें से कोई नहीं

74. 'प्रत्युपकार' का सही संधि विच्छेद है–
A. प्रत्युप + कार B. प्रति + उपकार
C. प्रत्यु + उपकार D. प्रत्य + उपकार

75. 'स्वागत' शब्द का संधि विच्छेद है–
A. स्वा + गत B. स्व + आगत
C. स् + वागत D. सु + आगत

समास

निर्देश (प्र.सं. 1 से 70 तक): *नीचे दिए गए शब्दों में प्रयुक्त समास के नाम का चयन कीजिए–*

1. पीताम्बर–
A. तत्पुरुष B. अव्ययीभाव
C. बहुब्रीहि D. द्विगु

2. चरणकमल–
A. तत्पुरुष B. कर्मधारय
C. बहुब्रीहि D. अव्ययीभाव

3. घुड़सवार–
A. द्विगु B. कर्मधारय
C. तत्पुरुष D. अव्ययीभाव

4. स्वर्गप्राप्त–
A. कर्म तत्पुरुष B. करण तत्पुरुष
C. सम्प्रदान तत्पुरुष D. अपादान तत्पुरुष

5. गर्वशून्य–
A. कर्म-तत्पुरुष B. संप्रदान-तत्पुरुष
C. करण-तत्पुरुष D. अपादान-तत्पुरुष

6. 'लम्बोदर' में कौन-सा समास है?
A. तत्पुरुष B. बहुब्रीहि
C. द्विगु D. कर्मधारय

7. 'देवालय' में कौन-सा समास है?
A. तत्पुरुष B. बहुब्रीहि
C. द्विगु D. इनमें से कोई नहीं

8. 'खरा खोटा' शब्द में कौन-सा समास है?
A. द्वंद्व B. द्विगु
C. कर्मधारय D. बहुब्रीहि

9. 'निर्विवाद' में कौन-सा समास है?
A. कर्मधारय B. अव्ययीभाव
C. तत्पुरुष D. बहुब्रीहि

10. 'दहीबड़ा' में कौन-सा समास है?
A. तत्पुरुष B. द्विगु
C. बहुब्रीहि D. द्वन्द्व

11. 'चौराहा' में समास है–
A. तत्पुरुष B. द्वन्द्व
C. कर्मधारय D. द्विगु

12. 'माता-पिता' शब्द में समास है–
A. द्वन्द्व B. द्विगु
C. तत्पुरुष D. कर्मधारय

13. 'वज्रपाणि' शब्द में कौन-सा समास है?
A. तत्पुरुष B. बहुब्रीहि
C. द्वन्द्व D. द्विगु

14. 'देशभक्ति' शब्द में समास होगा–
A. अपादान तत्पुरुष B. सम्बन्ध तत्पुरुष
C. अधिकरण तत्पुरुष D. सम्प्रदान तत्पुरुष

15. 'सुनीता के बच्चे घास-फूस की तरह बढ़ रहे हैं।'
उपर्युक्त वाक्य में प्रयुक्त 'घास-फूस' शब्द में समास होगा–
A. कर्मधारय B. द्वन्द्व
C. द्विगु D. अव्ययीभाव

16. निम्नलिखित शब्दों में कौन-सा शब्द बहुब्रीहि समास का उदाहरण है?
A. शूलपाणि B. यथाक्रम
C. हँसमुख D. हथकड़ी

17. इनमें से कौन-सा शब्द 'द्विगु' समास है?
A. भुजदण्ड B. माखनचोर
C. पंचशील D. लज्जाशील

18. 'प्रतिदिन' शब्द में समास होगा–
A. द्विगु B. कर्मधारय
C. तत्पुरुष D. अव्ययीभाव

19. जिन समस्त पदों में पहला शब्द संख्यावाची हो और उससे समुदाय का बोध होता हो, तो उसे कहते हैं–
A. द्विगु समास B. द्वन्द्व समास
C. कर्मधारय समास D. अव्ययीभाव समास

20. जिसमें पहला शब्द विशेषण हो और दूसरा शब्द विशेष्य, तो उसे कौन-सा समास कहेंगे?
A. द्विगु B. कर्मधारय
C. द्वन्द्व D. तत्पुरुष

21. 'पंचवटी' शब्द के लिए दिए गए विकल्प में से उपयुक्त समास कौन-सा है?
A. द्विगु B. तत्पुरुष
C. बहुब्रीहि D. कर्मधारय

22. 'बुरा-भला' शब्द में कौन-सा समास है?
A. द्वन्द्व B. द्विगु
C. कर्मधारय D. तत्पुरुष

23. 'चिड़ीमार' शब्द में कौन-सा समास है?
A. द्विगु B. कर्मधारय
C. तत्पुरुष D. अव्ययीभाव

24. 'यथोचित' शब्द में समास बताइए–
A. अव्ययीभाव B. कर्मधारय
C. बहुब्रीहि D. तत्पुरुष

25. समास कहते हैं–
A. शब्दों के मेल को
B. अक्षर के मेल को
C. स्वर-से-स्वर के मेल को
D. स्वर के साथ व्यंजन के मेल को

26. 'शिवार्पण' शब्द में कौन-सा समास है?
A. अधिकरण तत्पुरुष B. करण तत्पुरुष
C. सम्प्रदान तत्पुरुष D. अपादान तत्पुरुष

27. निम्नलिखित में किसमें तत्पुरुष समास है?
A. पदप्राप्त B. शताब्दी
C. चौमासा D. भाई-बहन

28. 'रसगुल्ला' में कौन-सा समास है?
A. तत्पुरुष B. बहुब्रीहि
C. द्वन्द्व D. अव्ययीभाव

29. 'भुखमरा' का समास विग्रह होगा–
A. भूख से जो मर गया B. भूख से मरा हुआ
C. भूखों मर गया जो D. भूख द्वारा मरा हुआ

30. 'दशरथ सुत' में कौन-सा समास है?
A. तत्पुरुष B. बहुब्रीहि
C. द्विगु D. द्वन्द्व

31. 'अष्टाध्यायी' में कौन-सा समास है?
A. द्वन्द्व B. द्विगु
C. तत्पुरुष D. कर्मधारय

32. 'यथाशीघ्र' में कौन-सा समास है?
A. अव्ययीभाव B. द्वन्द्व
C. कर्मधारय D. तत्पुरुष

33. चौखंभा में कौन-सा समास है?
A. बहुब्रीहि B. द्वन्द्व
C. द्विगु D. तत्पुरुष

34. कौन-सा समास विशेषण के रूप में प्रयुक्त होता है?
A. अव्ययीभाव B. तत्पुरुष
C. कर्मधारय D. बहुब्रीहि

35. द्विगु समास का उदाहरण होगा–
A. षट्कोण B. कुपुत्र
C. प्रतिवर्ष D. सूरसागर

36. कौन-सा शब्द अव्ययीभाव समास का उदाहरण है?
A. नवग्रह B. गाँठकर
C. महात्मा D. आमरण

37. 'राजपुत्र' में कौन-सा समास है?
A. बहुब्रीहि B. तत्पुरुष
C. द्विगु D. कर्मधारय

38. निम्नलिखित में से तत्पुरुष समास किसमें है?
A. नील गाय B. राजकुमार
C. त्रिलोचन D. दशानन

39. निम्नलिखित में द्वन्द्व समास बताइए–
A. प्रतिदिन B. चौमासा
C. घी-शक्कर D. महादेव

40. 'आजीवन' में कौन-सा समास है?
A. अव्ययीभाव B. तत्पुरुष
C. कर्मधारय D. द्विगु

41. निम्नलिखित में 'यथाविधि' का सही समास कौन-सा है?
A. अव्ययीभाव B. तत्पुरुष
C. कर्मधारय D. बहुब्रीहि

42. 'पर्णकुटी' शब्द का समास है–
A. तत्पुरुष B. द्वन्द्व
C. कर्मधारय D. बहुब्रीहि

43. निम्नलिखित में 'द्वन्द्व समास' का शब्द है–
A. आज-कल B. रातों-रात
C. दिन-दिन D. वीर पुरुष

44. 'निशिदिन' शब्द में प्रयुक्त समास है–
A. द्वन्द्व B. अव्ययीभाव
C. कर्मधारय D. तत्पुरुष

45. जिस समास में पहला शब्द प्रधान होता है और समूचा शब्द क्रिया विशेषण अव्यय होता है, उसे कौन-सा समास कहते हैं?
A. अव्ययीभाव B. तत्पुरुष
C. बहुब्रीहि D. द्वन्द्व

46. 'जलपिपासु' में कौन-सा समास है?
A. तत्पुरुष B. अव्ययीभाव
C. द्वन्द्व D. बहुब्रीहि

47. 'वनवास' में कौन-सा समास है?
A. तत्पुरुष B. कर्मधारय
C. द्वन्द्व D. बहुब्रीहि

48. 'दिगम्बर' में कौन-सा समास है?
A. बहुब्रीहि B. द्वन्द्व
C. द्विगु D. कर्मधारय

49. 'नरोत्तम' में कौन-सा समास है?
A. द्वन्द्व B. तत्पुरुष
C. अव्ययीभाव D. कर्मधारय

50. 'आजन्म' में कौन-सा समास है?
A. द्विगु B. तत्पुरुष
C. कर्मधारय D. अव्ययीभाव

51. 'अकालपीड़ित' में समास होगा–
A. कर्मधारय B. द्वन्द्व
C. तत्पुरुष D. बहुब्रीहि

52. 'जय-पराजय' में कौन-सा समास है?
A. द्वन्द्व B. कर्मधारय
C. द्विगु D. तत्पुरुष

53. 'वियोग-विकल' शब्द में प्रयुक्त समास है–
A. तत्पुरुष B. कर्मधारय
C. द्वन्द्व D. द्विगु

54. इन युग्मों में से कौन-सा सही नहीं है?
A. नीलोत्पलम् – कर्मधारय समास
B. दशाननः – बहुब्रीहि समास
C. रामलक्ष्मणौ – अव्ययीभाव समास
D. दिवारात्रि – द्वन्द्व समास

55. 'तिरंगा' शब्द में समास है–
A. द्वन्द्व B. अव्ययीभाव
C. द्विगु D. कर्मधारय

56. 'लम्बोदर' उदाहरण है–
A. बहुब्रीहि समास का B. द्वन्द्व समास का
C. द्विगु समास का D. कर्मधारय समास का

57. निम्नलिखित में से कर्मधारय समास किसमें है?
A. चक्रपाणि B. चतुर्थुगम्
C. नीलोत्पलम् D. माता-पिता

58. 'चक्रपाणिदर्शनार्थ' पद में मान्य समास है–
A. कर्मधारय B. तत्पुरुष
C. अव्ययीभाव D. बहुब्रीहि

59. 'कठपुतली' में कौन-सा समास है?
A. सम्प्रदान तत्पुरुष B. सम्बन्ध तत्पुरुष
C. अधिकरण तत्पुरुष D. कर्म तत्पुरुष

60. 'कष्टापन्नः' शब्द में समास है–
A. अव्ययीभाव B. तत्पुरुष
C. बहुब्रीहि D. कर्मधारय

61. 'चन्द्रकान्तिः' में समास है–
A. बहुब्रीहि B. कर्मधारय
C. तत्पुरुष D. इनमें से कोई नहीं

62. 'चन्द्रशेखर' में प्रयुक्त समास है–
A. तत्पुरुष B. कर्मधारय
C. बहुब्रीहि D. द्विगु

63. 'रात-दिन' में कौन-सा समास होता है?
A. द्वन्द्व B. द्विगु
C. कर्मधारय D. अव्ययीभाव

64. 'बहन-भाई' में समास है–
A. बहुब्रीहि B. तत्पुरुष
C. द्वन्द्व D. द्विगु

65. 'दशमुख' में कौन-सा समास है?
A. तत्पुरुष B. बहुब्रीहि
C. द्वन्द्व D. कर्मधारय

66. 'यथाशक्ति' में समास है–
A. द्विगु B. तत्पुरुष
C. कर्मधारय D. अव्ययीभाव

67. 'देशभक्ति' में समास है–
A. तत्पुरुष B. बहुब्रीहि
C. द्विगु D. कर्मधारय

68. 'हस्तलिखित' में प्रयुक्त समास है–
A. कर्मधारय B. तत्पुरुष
C. बहुब्रीहि D. द्वन्द्व

69. 'त्रिनेत्र' में कौन-सा समास है?
A. तत्पुरुष B. बहुब्रीहि
C. द्विगु D. द्वन्द्व

70. 'भरपेट' में कौन-सा समास है?
A. अव्ययीभाव B. कर्मधारय
C. तत्पुरुष D. बहुब्रीहि

वर्तनी

निर्देश (प्र.सं. 1 से 80 तक): *नीचे के प्रश्नों में एक शब्द की चार अलग-अलग वर्तनियां दी हुई हैं। इनमें से सही वर्तनी छाँटकर उस पर निशान लगाइये:*

1. A. जयोत्स्ना B. ज्योत्स्ना
C. जोत्स्ना D. ज्योत्सना

2. A. कवयित्री B. कवियित्री
C. कवियत्री D. कवित्री

3. A. उत्ज्वल B. उज्जवल
C. ऊज्जवल D. उज्ज्वल

4. A. छः B. छह
C. छह् D. छै

5. A. जिजीविषा B. जिजीवषा
C. जजीवषा D. जिजिवीषा

6. A. दृश्य B. द्रश्य
C. दृष्य D. दृिश्य

7. A. इतिहासिक B. ऐतिहासिक
C. ऐतिहासीक D. ऐतीहासिक

8. A. वाङ्मय B. वाँङ्मय
C. वांग्मय D. वांगमय

9. A. सौर्हाद्र B. सैहार्द
C. सैर्हाद D. सौहार्द

10. A. आर्शीवाद B. आशिर्वाद
C. आशीर्वाद D. आर्शिवाद

11. A. भूगोलिक B. भूगौलिक
C. भोगौलिक D. भौगोलिक

12. A. सन्कीर्णता B. सन्कीरणता
C. संर्कीणता D. संकीर्णता

13. A. परचन्ड B. प्रचण्ड
C. प्रचान्ड D. परचण्ड

14. A. तार्क्रिक B. तार्किक
C. ताकृिक D. ताक्रिक

15. A. इर्षा B. ईर्षा
C. इर्ष्या D. ईर्ष्या

16. A. पूज्यनीय B. पुजनीय
C. पूजनीय D. पुज्यनीय

17. A. अधम्र B. अध्रम
C. अधर्म D. अधृम

18. A. अधिकृत B. अधिक्रित
C. अधिक्रित्त D. अधिर्कित

19. A. अनुकृम B. अनुक्रम
C. अनुकर्म D. अनुकम्र

20. A. अनवेषण B. अन्वेषण
C. अन्वेछण D. अन्वेशण

21. A. अभिशेक B. अभिषेख
C. अभिषेक D. अभीषेक

22. A. इच्छुक B. इक्षुक
C. इक्छुक D. इच्छिक

23. A. इन्दिय B. इन्द्रिय
C. इन्दिय D. इन्द्रिय

24. A. उतकण्ठा B. उत्कण्ठा
C. उत्क्णठा D. उत्त्कन्ठा

25. A. उर्मिला B. उम्रिला
C. उमिर्ला D. उर्मिला

26. A. रिषि B. ऋषि
C. ऋिषि D. ऋशि्

27. A. एकागृ B. एकाग्र
C. एकार्ग D. एक्राग्र

28. A. ओजश्वि B. ओजस्वी
C. ओजश्वी D. ओजष्वी

29. A. औशधी B. औषधी
C. औषधि D. औष्धि

30. A. करम B. क्राम
C. कम्र D. कर्म

31. A. ग्रिहीत B. ग्रहीत
C. गृहीत D. गर्हित

32. A. कृतज्ञ B. क्रतज्ञ
C. क्रितज्ञ D. क्रितग्य

33. A. चतुदर्श B. चर्तुदश
C. चतुर्दश D. चतुद्रश

34. A. जर्जर B. जरर्जर
C. जज्रर D. जरजर

35. A. जघ्नय B. जघ्रय
C. जघ्न्य D. जघन्य

36. A. जेष्ठ B. ज्येश्ठ
C. ज्येष्ठ D. ज्येस्ठ

37. A. तपस्वनी B. तपस्विनी
C. तपिस्वनी D. तपिस्विनी

38. A. तादातमय B. तदात्म्य
C. तादात्म्य D. तादात्यम

39. A. तृष्णा B. तृिष्णा
C. त्रिष्णा D. तृश्णा

40. A. त्रिमूर्ती B. त्रिमुर्ति
C. त्रिमूर्ति D. त्रृमूर्ति

41. A. दक्छ B. दक्च्छ
C. दक्ष D. दज्ञ

42. A. द्रर्पन B. दर्पन
C. दपर्ण D. दर्पण

43. A. दामपत्य B. दम्पत्य
C. दाम्पत्य D. दाम्पत

44. A. दीप्पित B. दीपति
C. दीप्ति D. दीप्ती

45. A. दीर्घायु B. दीरघायु
C. दीघार्यु D. दीर्घियु

46. A. दुर्निती B. दुनीर्ति
C. दुरनीति D. दुर्नीति

47. A. दुर्दषा B. दुह्शा
C. दुर्दशा D. दुद्रशा

48. A. दुर्योधन B. दुयोर्धन
C. दूरयोधन D. द्रुयोधन

49. A. दुरबुद्धि B. दुर्बुधि
C. दुबुद्धि D. दुर्बुद्धि

50. A. धनुष्विद्या B. धनुर्विद्या
C. धर्नुविद्या D. धनुर्वेद्या

51. A. धर्म B. धृर्म
C. ध्रर्म D. धम्र

52. A. ध्रुर्व B. धुव्र
C. ध्रुव D. धुर्व

53. A. नर्म्रदेश्वर B. नम्रदेश्वर
C. नमर्देश्वर D. नर्मदेश्वर

54. A. निरक्षेप B. निक्क्षेप
C. निक्षेप D. निक्छेप

55. A. निर्गह B. नृग्रह
C. निग्रह D. निगर्ह

56. A. निरजीव B. निर्जीव
C. निृजीव D. निज्रीव

57. A. निम्रूल B. निर्मूल
C. निरमूल D. नृर्मूल

58. A. निवृत्त B. निव्रत्त
C. निवृत D. निृवत्त

59. A. प्रिक्रमा B. परीक्रमा
C. परिकृमा D. परिक्रमा

60. A. प्रयटन B. पृयटन
C. पर्यटन D. प्रर्यटन

61. A. प्रक्रिति B. प्रकृति
C. प्रक्रति D. पृक्रति

62. A. बर्हिमुख B. बहिर्मुख
C. बहिम्रुख D. बहिमुर्ख

63. A. भरतस्ना B. भर्त्सना
C. भर्तसना D. भर्तृसना

64. A. मूर्ती B. मूर्ति
C. मूर्तृि D. मूरती

65. A. गिद्ध B. गीध
C. गिद्धा D. ग्रिद्ध

66. A. निकर्सन B. निर्कषन
C. निकर्षण D. निर्कषण

67. A. निकृष्ट B. निक्रस्ट
C. निकृस्ट D. निक्रिष्ट

68. A. पार्थिव B. पार्थ्रिव
C. पार्थीव D. पाथिर्व

69. A. विदूश्क B. विदूष्क
C. विदूशक D. विदूषक

70. A. र्फुतीला B. फुर्तीला
C. फुर्तिला D. फुर्तला

71. A. वर्ज B. वज्र
C. वज़ृ D. वज्रृ

72. A. ब्रम्हचर्य B. ब्रह्मचर्य
C. बृह्मचर्य D. ब्रह्मर्चय

73. A. मत्स्य B. मतस्य
C. मत्सत्य D. मत्श्य

74. A. भ्रित्य B. भर्त्य
C. भृत्य D. भ्रत्य

75. A. निग्रंध B. निर्गंध
C. र्निगंध D. नृगंध

76. A. प्रकर्श B. प्रकर्ष
C. पृकर्श D. पृकर्ष

77. A. भद्र B. भदृ
C. भर्द्र D. भर्द

78. A. मंजूशा B. मंजूषा
C. मंजुषा D. मंजुशा

79. A. मुर्मूषु B. मुमुर्षू
C. मुमुर्षु D. मुमूर्षु

80. A. ब्राह्मण B. बृाह्मण
C. ब्राम्हण D. बृाहम्ण

निर्देश (प्र.सं. 81 से 115 तक): *नीचे प्रत्येक प्रश्न में A, B, C और D अक्षरांक में चार शब्द दिए गए हैं। जिनमें से एक में वर्तनी सम्बन्धी त्रुटि हो सकती है। उस त्रुटियुक्त शब्द का अक्षरांक ही आपका उत्तर होगा। यदि चारों शब्दों की वर्तनी सही है तो उत्तर दीजिए E अर्थात् 'सभी सही हैं'।*

81. A. अप्रयुक्त B. अतीषयोक्ति
C. अशोध्य D. सम्मति
E. सभी सही हैं

82. A. अभ्युक्ति B. इष्टतम
C. अपुरित D. उपस्थित
E. सभी सही हैं

83. A. उत्तरजिवीता B. प्रारक्षित
C. क्षैतिज D. आयातित
E. सभी सही हैं

84. A. आस्थगित B. आतिथ्य
C. अंतरिम D. निर्धारित
E. सभी सही हैं

85. A. किफायत B. परिस्थिति
C. संतुलित D. असिंचीत
E. सभी सही हैं

86. A. तात्पर्य B. महोत्सव
C. दंभ D. कृशक
E. सभी सही हैं

87. A. लक्षण B. व्यंजन
C. पगडंडी D. पारंगत
E. सभी सही हैं

88. A. स्थानापन्न B. व्यावशयिक
C. कोशिका D. आर्थिक
E. सभी सही हैं

89. A. दांडधिकारी B. प्राधिकरण
C. आदित्य D. क्रियान्वयन
E. सभी सही हैं

90. A. गोपनीयता B. कार्यवाही
C. उत्रदायित्व D. वयस्क
E. सभी सही हैं

91. A. चूल्लु B. जीविका
C. ठिठोली D. तकली
E. सभी सही हैं

92. A. नजरिया B. पंडीताइ
C. फरियादी D. बधाई
E. सभी सही हैं

93. A. प्रकाशकीय B. फाल्गुन
C. बधिर D. भोतिक
E. सभी सही हैं

94. A. हौसला B. स्वीकृति
C. व्यवासायिक D. लिपाई
E. सभी सही हैं

95. A. फलित B. बटोही
C. भजनीक D. मंडली
E. सभी सही हैं

96. A. अनामिष B. अपरिहार्य
C. किफायती D. गिलाफ
E. सभी सही हैं

97. A. गोधुलि B. चांचल्य
C. जिजीविषु D. तमोली
E. सभी सही हैं

98. A. तितिक्षा B. दखलंदाजी
C. दिप्ति D. दैनिकी
E. सभी सही हैं

99. A. नजदिकी B. नियोक्ता
C. परिणीता D. पाणिग्रहण
E. सभी सही हैं

100. A. पुनीत B. प्रख्यापीत
C. फरोख्त D. बुजुर्गी
E. सभी सही हैं

101. A. अद्‌भुत B. व्यंग्य
C. अदृश्य D. समारंभ
E. सभी सही हैं

102. A. लक्षण B. महात्मन
C. सम्पर्क D. कर्तज्ञ
E. सभी सही हैं

103. A. गझिन B. आशय
C. निशपादन D. आकर्षण
E. सभी सही हैं

104. A. उत्तरीय B. स्थान्नापन
C. कुंभ D. असामान्य
E. सभी सही हैं

105. A. न्ययाधिश B. पुरस्कृत
C. वारिद D. अधिशासी
E. सभी सही हैं

106. A. चिनाई B. तंबूल
C. ठिठोली D. तन्मय
E. सभी सही हैं

107. A. अगड़ाइ B. गठीला
C. खिलाफ D. कल्पनातीत
E. सभी सही हैं

108. A. सूरत B. वैधव्य
C. लतीका D. रेगिस्तान
E. सभी सही हैं

109. A. इति B. अखिलेश
C. कबूतर D. खेरात
E. सभी सही हैं

110. A. चमत्कृत B. जिल्द
C. तमोली D. दमित
E. सभी सही हैं

111. A. प्रहसन B. तात्पर्य
C. महसूल D. पाणिगृहण
E. सभी सही हैं

112. A. मस्तिष्क B. प्रोत्साहन
C. सम्वत् D. क्रियाविधि
E. सभी सही हैं

113. A. विचारणीय B. क्रन्दन
C. पर्यावर्ण D. उपलब्धि
E. सभी सही हैं

114. A. विसतृत B. वाग्विलास
C. तात्कालिक D. अलंकार
E. सभी सही हैं

115. A. दृष्टांत B. रूढ़ि
C. सूचि D. आचमन
E. सभी सही हैं

पर्यायवाची

1. 'कमल' शब्द का पर्यायवाची होगा–
A. कन्दर्प B. अनंग
C. घनेश D. इन्दीवर

2. 'क्रोध' के लिए इन दिए गए पर्यायवाची शब्दों में एक गलत शब्द है, उसे चयनित कीजिए–
A. रोष B. अमर्ष
C. स्वत्व D. कोप

3. निम्नलिखित पर्यायवाची शब्दों में से जो एक शब्द 'मोर' का पर्यायवाची नहीं है, उसे चिन्हित कीजिए–
A. केकी B. कीश
C. शिखी D. शिखण्डी

4. इनमें से कौन-सा शब्द 'कृष्णा' का पर्यायवाची है?
A. राधा B. रुक्मिणी
C. द्रोपदी D. यशोदा

5. इनमें से एक शब्द 'बैल' का पर्यायवाची नहीं है, उसे चयनित कीजिए–
A. अश्म B. बृषभ
C. बलीवर्द D. गो

6. निम्नलिखित में से जो शब्द 'सौन्दर्य' का पर्यायवाची नहीं है, उसे चयनित कीजिए–
A. सुषमा B. शोभा
C. सुन्दरता D. रमणी

7. निम्नलिखित विकल्पों में से एक शब्द 'नदी' का पर्यायवाची नहीं है, उसे चयनित कीजिए–
A. तरंगिणी B. तटिनी
C. तरिणी D. सरिता

8. नीचे दिए गए विकल्पों में से एक शब्द 'घर' का पर्यायवाची नहीं है, उसे चयनित कीजिए–
A. भवन B. भुवन
C. निकेतन D. सदन

9. इनमें से कौन-सा शब्द 'पार्थ' का पर्यायवाची है?
A. भीष्म B. श्रीकृष्ण
C. युधिष्ठिर D. अर्जुन

10. 'दुःख' का पर्यायवाची शब्द निम्नलिखित में से कौन-सा है?
A. व्यथा B. पीड़ा
C. वेदना D. ये सभी पर्याय हैं

11. नीचे दिए गए शब्दों में से एक शब्द 'गीदड़' का पर्यायवाची नहीं है, उसका चयन कीजिए–
A. खगेश B. शृंगाल
C. सियार D. जम्बुक

12. निम्न में से कौन चन्द्रमा का पर्यायवाची नहीं है?
A. शशि B. हिमकर
C. शशांक D. रूपक

13. निम्न में से कौन गाय का पर्यायवाची नहीं है?
A. हेरम्ब B. गौरी
C. भद्रा D. धेनु

14. कुत्ता का पर्यायवाची शब्द निम्नलिखित में से कौन-सा है?
A. सारमेय B. क्रमेलक
C. कीर D. नागान्तक

15. आनंद का पर्यायवाची नहीं है–
A. हर्ष B. उल्लास
C. चाह D. आह्लाद

16. 'कृशानु' का पर्यायवाची शब्द है–
A. अनल B. पवन
C. दोहित्री D. अनिल

17. 'द्रौपदी' का पर्याय नहीं है–
A. द्रुपदसुता B. याज्ञसेनी
C. पांचाली D. रमणी

18. 'महादेव' का पर्यायवाची शब्द चुनिए–
A. गरुड़ध्वज B. नारायण
C. चन्द्रशेखर D. विश्वम्भर

19. 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची शब्द चुनिए–
A. निशाकर B. निशाचर
C. तरणि D. कृशानु

20. 'धन' का पर्यायवाची जो शब्द नहीं है, उसे चुनिए–
A. द्रव्य B. द्रव
C. सम्पदा D. दौलत

21. 'पुत्री' का पर्यायवाची शब्द नहीं है–
A. तनय B. सुता
C. आत्मजा D. दुहिता

22. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'कमल' का पर्यायवाची शब्द नहीं है?
A. सरोज B. अरविन्द
C. सलिल D. पंकज

23. निम्नलिखित किस समूह में सभी शब्द 'कामदेव' के पर्यायवाची हैं?
A. कंदर्प, मदन, मनसिज, मारक
B. मदन, मन्मथ, अनंग, कंदर्प
C. मान, त्रिपुर, मन्मथ, अनंग
D. मन्मथ, मनसिज, त्रिपुर, अनंग

24. कौन-सा शब्द जंगल शब्द का पर्यायवाची नहीं है?
A. अटवी B. कान्ता
C. कान्तार D. कानन

25. कौन-सा शब्द 'अम्बर' का पर्यायवाची है?
A. आकाश B. अवनि
C. मेघ D. बादल

26. कौन-सा शब्द 'मित्र' का पर्याय नहीं है?
A. अलि B. सखा
C. सुहृद D. मीत

27. निम्नांकित में किस शब्द का अर्थ कमल होता है?
A. उत्पल B. उपल
C. जलद D. नीरद

28. निम्नलिखित में 'पुत्री' शब्द के पर्यायवाची शब्द-समूह कौन हैं?
A. भार्या, कान्ता, अबला, वनिता
B. लड़की, बेटी, अचला, वसुधा
C. सुता, धरा, वसुमती, अचला
D. तनया, आत्मजा, दुहिता, तनुजा

29. निम्नलिखित शब्द-समूह में 'बिजली' के पर्यायवाची कौन हैं?
A. ज्योति, रोशनी, चमक, प्रभा
B. विद्युत, तड़ित, चपला, दामिनी
C. उजाला, प्रभंजन, विहग, निशापति
D. मंदाकिनी, अश्म, प्रस्तर, प्रभा

30. 'जलधि' शब्द का पर्यायवाची क्या है?
A. नहर B. नाव
C. नदी D. समुद्र

31. 'पंकज' शब्द का पर्यायवाची क्या है?
A. सूर्य B. कमल
C. चन्द्रमा D. अमृत

32. 'तरकश' का पर्यायवाची शब्द है–
A. तीर B. धनुष
C. प्रत्यंचा D. निषंग

33. 'स्त्री' का पर्यायवाची शब्द नहीं है–
A. तरुणी B. प्रमदा
C. ललाम D. ललना

34. 'गणेश' का पर्यायवाची शब्द है–
A. सुधांशु B. कुबेर
C. एकदंत D. सुधाकर

35. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'तलवार' का पर्यायवाची नहीं है?
A. असि B. खड्ग
C. कृपण D. चंद्रहास

36. इनमें से कौन 'कौआ' का पर्यायवाची है?
A. वायस B. पाली
C. भद्रा D. उदक

37. निम्न में से कौन 'पत्ता' का पर्यायवाची नहीं है?
A. दल B. पर्ण
C. पल्लव D. प्रसून

38. निम्न में से कौन 'हंस' का पर्यायवाची है?
A. मराल B. सारंग
C. अनीक D. अरि

39. निम्न में से कौन 'रण' का पर्यायवाची नहीं है?
A. युद्ध B. संग्राम
C. समर D. सार

40. इनमें से कौन 'युवती' का पर्यायवाची नहीं है?
A. तरुणी B. किशोरी
C. श्यामा D. यामिनी

41. निम्न में से कौन 'इन्द्र' का पर्यायवाची नहीं है?
A. सुरपति B. मधवा
C. धनाधिप D. सुरेश

42. इनमें से कौन 'सरस्वती' का पर्यायवाची नहीं है?
A. वीणापाणि B. वाचा
C. धनद D. शारदा

43. निम्न में से कौन 'कन्या' का पर्यायवाची नहीं है?
A. तनुजा B. आत्मजा
C. नन्दिनी D. भार्या

44. इनमें से कौन 'मयूर' का पर्यायवाची नहीं है?
A. सारंग B. शिखी
C. विशिख D. केकी

45. इनमें से कौन 'शेर' का पर्यायवाची नहीं है?
A. तुरंग B. मृगेन्द्र
C. मृगराज D. व्याघ्र

46. निम्न में से कौन 'अग्नि' का पर्यायवाची है?
A. अनल B. धनद
C. सारंग D. जाह्नवी

47. 'अलंकेश' पर्यायवाची शब्द है–
A. बादल का B. कल्पवृक्ष का
C. कुबेर का D. चपला का

48. इनमें से किस शब्द के पर्यायवाची गलत हैं?
A. कमल – जलज, पंकज, सरोज
B. पुष्प – कुसुम, फूल, सुमन
C. सरस्वती – गिरा, भारती, वाणी
D. सूर्य – दिवस, याम, वासर

49. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'पताका' का पर्यायवाची नहीं है?
A. झण्डा B. निशान
C. प्रस्तर D. ध्वज

50. निम्नलिखित शब्दों में से 'हनुमान' का पर्यायवाची शब्द नहीं है–
A. रामभक्त B. पवनपुत्र
C. बजरंगबली D. कपीश्वर

51. 'खेचर' का पर्याय होगा–
A. आकाश में चलने वाला B. पक्षी
C. ग्रह D. इनमें से सभी

52. 'बटोही' का पर्यायवाची निम्न में से कौन शब्द-समूह होगा?
A. वटमार, एकाकी B. असहाय, दुर्गम
C. पथिक, राहगीर D. पाथेय, मेघ

53. निम्न में से कौन-सा शब्द समूह 'विरद' का पर्यायवाची होगा?
A. यश, ख्याति B. बीज, मूल
C. वृक्ष, पौधा D. विरही, वियोगी

54. 'यातु' का पर्यायवाची निम्न में से कौन शब्द-समूह होगा?
A. पथिक, कष्ट B. काल, हवा
C. यातना, हिंसा D. राक्षस, निशाचर

55. 'विभु' का पर्यायवाची शब्द-समूह होगा–
A. सर्वव्यापक, नित्य B. ब्रह्म, आत्मा
C. महान, ईश्वर D. चिरस्थायी, दृढ़

56. 'क्षुद्र' का पर्यायवाची शब्द-समूह होगा–
A. कंजूस, कृपण B. निर्धन, दरिद्र
C. अल्प, मामूली D. नीच, अधम

57. 'कुबेर' शब्द का निम्नलिखित में से कौन- सा शब्द पर्यायवाची नहीं है?
A. श्वान B. कोषपाल
C. धनपति D. यक्षपति

58. 'सेवक' का पर्यायवाची है–
A. परिचर्या B. यायावर
C. शायक D. परिचारक

59. 'पार्वती' का पर्यायवाची है–
A. कमला B. इला
C. गौरा D. विभा

60. 'अग्र' शब्द का पर्यायवाची नहीं है–
A. शिखर B. अगला
C. ज्येष्ठ D. दावा

61. निम्नलिखित में से कौन-सा एक 'जानकी' का पर्यायवाची नहीं है?
A. जनकात्मजा B. वैदेही
C. जनकसूता D. वामा

62. 'पुष्प' का पर्यायवाची नहीं है–
A. सुमन B. प्रसून
C. कुसुम D. निलय

63. 'पत्थर' का पर्यायवाची है–
A. हिमगिरि B. पाषाण
C. गिरि D. शैल

64. 'पावक' का पर्यायवाची शब्द निम्नलिखित में से कौन-सा है?
A. पृथ्वी B. जल
C. अग्नि D. वायु

65. निम्नलिखित में से जो शब्द 'पत्नी' का पर्याय न हो, उसे चिन्हित कीजिए–
A. कलत्र B. दौहित्र
C. भार्या D. जाया

66. 'अर्वाचीन' शब्द का पर्यायवाची है–
A. आधुनिक B. विदेशी
C. चीनी D. प्राचीन

विलोमार्थी शब्द

निर्देश (प्र.सं. 1 से 75 तक): *सही-सही विलोम शब्द चुनिए–*

1. अनादर
A. मान B. सम्मान
C. आदर D. सत्कार

2. अभिज्ञ
A. अज्ञानी B. अनभिज्ञ
C. अनिपुण D. मूर्ख

3. अथ
A. इति B. समाप्त
C. खत्म D. संपूर्ण

4. करुण
A. कठोर B. निष्ठुर
C. निर्दय D. कोमल

5. ऋजु
A. सीधा B. सरल
C. तिर्यक् D. वक्र

6. मौन
A. मुखर B. मूक
C. वाचाल D. प्रगल्भ

7. निर्दय
A. निर्भय B. सह्य
C. सभय D. सदय

8. तिमिर
A. प्रकाश्य B. आलोक
C. ज्योतिर्मय D. आभास

9. तीक्ष्ण
A. मंद B. तीव्र
C. प्रखर D. क्षीण

10. कृत्रिम
A. प्राकृतिक B. स्वनिर्मित
C. स्वाभाविक D. स्वचालित

11. उदात्त
A. उद्धत B. दानशील
C. अनुदात्त D. क्षमावान्

12. उदार
A. कठोर B. निर्भय
C. अपव्यय D. अनुदार

13. शुक्ल
A. काला B. कृष्ण
C. असित D. श्यामल

14. प्रस्थान
A. आगमन B. गमनागमन
C. निगम D. निर्गम

15. शूल
A. मूल B. धूल
C. फूल D. तूल

16. अपेक्षा
A. कामना B. भावना
C. अभीप्सा D. उपेक्षा

17. निरक्षर
A. शिक्षित B. अशिक्षित
C. साक्षर D. अक्षर

18. प्रकट
A. गुप्त B. लुप्त
C. सुप्त D. विलुप्त

19. उर्वर
A. उपजाऊ B. बंजर
C. गत्वर D. शस्यश्यामल

20. संधि
A. अनुग्रह B. ग्रह
C. विच्छेद D. मैत्री

21. संयोग
A. प्रयोग B. सुयोग
C. नियोग D. वियोग

22. विकास
A. सीमा B. ह्रास
C. दुबला D. नीचा

23. उत्थान
A. नमन B. पतन
C. उदय D. ध्वंस

24. क्षुद्र
A. क्षुद्रतर B. महान्
C. तुच्छ D. अवमान

25. इहलोक
A. उपकार B. पाताल
C. आदि D. परलोक

26. ज्योति
A. पुंज B. दीपक
C. तम D. रोशनी

27. यथार्थ
A. मनोवांछित B. अनुमानित
C. कल्पित D. सत्य

28. अमर
A. देवता B. मरणशील
C. मर्त्य D. दानव

29. आघात
A. अनाघात B. विस्तीर्ण
C. स्निग्ध D. डरपोक

30. व्यष्टि
A. सृष्टि B. वृष्टि
C. समष्टि D. इनमें से कोई नहीं

31. सज्जन
A. चापलूस B. व्यभिचारी
C. सहयोगी D. दुर्जन

32. उत्कर्ष
A. अपकर्ष B. परामर्श
C. संघर्ष D. विमर्श

33. क्षुधा
A. तृषा B. तृष्ण
C. तृप्ति D. मृगतृष्णा

34. सुबह
A. प्रातः B. शाम
C. रात D. दिन

35. अनुकूल
A. प्रतिकूल B. अपकूल
C. अनुकूलन D. सानूकूल

36. आहूत
A. अनागत B. आगत
C. अनेक D. अनाहूत

37. श्रीगणेश
A. समापन B. इतिश्री
C. अंत D. अथ

38. निंदा
A. स्तुति B. संस्तुति
C. संवेदना D. स्तवन

39. आचार
A. आनाचार B. अनाचार
C. अत्याचार D. विचार

40. सहज
A. असहज B. असली
C. अप्राकृतिक D. निर्मित

41. प्राच्य
A. उदीच्य B. प्रतीच्य
C. पाश्चात्य D. अर्वाचीन

42. गुण
A. दोष B. पुण्य
C. अधिक D. विशाल

43. 'लाघव' शब्द का विपरीतार्थक शब्द है–
A. विस्तार B. संक्षेप
C. लम्बा D. दीर्घकालीन

44. आहार
A. प्रतिहार B. साहार
C. अनाहार D. विहार

45. 'ध्वंस' शब्द का विलोम बताइए–
A. विनाश B. निर्माण
C. विध्वंस D. उत्कर्ष

46. 'वादी' का विलोमार्थी शब्द बताएँ–
A. समवादी B. कुवादी
C. अनुवादी D. प्रतिवादी

47. अतिवृष्टि का विलोमार्थी शब्द है–
A. अन्तरवृष्टि B. अल्पवृष्टि
C. असमयवृष्टि D. अस्तवृष्टि

48. आदि
A. अंत B. प्रारम्भ
C. व्याधि D. बर्बादी

49. शाश्वत
A. मृत्यु B. मर्त्य
C. नश्वर D. क्षणिक

50. व्यस्त
A. विश्रांत B. अभ्यस्त
C. अव्यस्त D. अतिव्यस्त

51. गत्यात्मक
A. गतिभाव B. स्थिर
C. अस्थिर D. प्रत्यात्मक

52. अज्ञ
A. अनज्ञ B. सुमज्ञ
C. विज्ञ D. कुमज्ञ

53. कटु
A. मधुर B. पटु
C. मृदु D. मीठा

54. नीरस
A. रसीला B. सरस
C. विरस D. अरस

55. ओजस्वनी
A. तेजस्वनी B. निर्जस्वी
C. निस्तेज D. तपस्वी

56. अर्पण
A. ग्रहण B. तर्पण
C. समर्पण D. प्रत्यर्पण

57. अनभिज्ञ
A. भिज्ञ B. अज्ञ
C. अभिज्ञ D. अतिभिज्ञ

58. अन्यमनस्क
A. स्वस्थ B. प्रसन्न
C. सजग D. सतर्क

59. अपव्यय
A. अधिव्यय B. व्यय
C. मितव्यय D. इनमें से कोई नहीं

60. आवरण
A. अनावरण B. आचरण
C. सुवरण D. अवज्ञा

61. गमन
A. आना B. उतरना
C. रुकना D. आगमन

62. राजा
A. देवता B. साथी
C. विज्ञ D. प्रजा

63. विश्लेषण
A. संश्लेषण B. गवेषण
C. विशेषण D. अन्वेषण

64. दिवस
A. विभावरी B. अरविन्द
C. प्रवाहिणी D. विचक्षण

65. निर्मल
A. पवित्र B. शुद्ध
C. मलिन D. मृदु

66. उद्यम
A. प्रवीण B. आलस्य
C. नीरज D. नृप

67. द्युति
A. छवि B. प्रभा
C. ज्योति D. अन्धकार

68. रुक्ष
A. पिच्छल B. चिक्कण
C. स्निग्ध D. सरस

69. विघटन
A. सामूहिकता B. संगठन
C. एकीकरण D. समष्टि

70. गरिमा
A. कालिमा B. लघुमा
C. अरुणिमा D. लालिमा

71. सामिष
A. निरामिष B. वैष्णव
C. शाकाहारी D. मांसरहित

72. अंधेरा
A. सुबह B. उजाला
C. प्रकाश D. झुरमुट

73. उदय
A. अस्त B. अवसान
C. विनाश D. नाभ

74. कुटिल
A. संत B. उदार
C. साधु D. सरल

75. ग्राह्य
A. त्याज्य B. ग्रहण
C. तरल D. वाञ्छा

वाक्यों की शुद्धता

निर्देश (प्र.सं. 1 से 35 तक): *नीचे दिए गए प्रश्नों में चार वाक्यों में एक वाक्य शुद्ध है और तीन अशुद्ध हैं। शुद्ध वाक्य को चुनिए।*

1. A. मैंने एक रुपए का सामान खरीदा
B. मैं एक रुपए का सामान खरीदा
C. मुझने एक रुपया का सामान खरीदा
D. मैं एक रुपया का सामान खरीदी

2. A. उसे कॉफी बनाना नहीं आता
B. उसे कॉफी बनानी नहीं आता
C. उसे कॉफी बनाना नहीं आती
D. उसे कॉफी बनाने को नहीं आते

3. A. देश का सम्मान की रक्षा करो
B. देश के सम्मान की रक्षा करो
C. देश को सम्मान की रक्षा करो
D. देश के लिए सम्मान की रक्षा करो

4. A. अतिथि को चाकू से काटकर फल खिलाओ
B. चाकू से अतिथि को काटकर फल खिलाओ
C. चाकू से फल काटकर अतिथि को खिलाओ
D. फल को काटकर चाकू से अतिथि को खिलाओ

5. A. राम ने पेट भर मिठाई खाई
B. राम ने पेट भर के मिठाई खाई
C. राम ने भरपेट मिठाई खाई
D. इनमें से सभी शुद्ध हैं

6. A. मैं आपकी सौजन्यता पर मुग्ध हूँ
B. मैं आपके सौजन्य पर मुग्ध हूँ
C. मैं आपके सुजन्य पर मुग्ध हूँ
D. इनमें से तीनों वाक्य अशुद्ध हैं

7. A. लाओ एक पानी का गिलास
B. एक पानी का गिलास लाओ
C. गिलास एक पानी का लाओ
D. एक गिलास पानी लाओ

8. A. हमारी सौभाग्यवती कन्या का विवाह होने जा रहा है।
B. हमारी आयुष्मती कन्या का विवाह होने जा रहा है।
C. हमारी सौभाग्यवती कन्या का विवाह होने जा रही है
D. इनमें से सभी शुद्ध हैं

9. A. माँ बच्चे को दूध धाय से पिला रही है
B. माँ बच्चे को दूध धाय से पिलवा रही है
C. माँ बच्चे को दूध धाय से पी रही है
D. माँ बच्चे को दूध धाय से चखा रही है

10. A. ये हमारे पास रहते हैं और वे दूर
B. वे हमारे पास रहते हैं और ये दूर
C. वे हमारे पास रहते हैं और वह दूर
D. ये हमारे पास रहते हैं और वह दूर

11. A. वेदों के छः अंग माने जाते हैं
B. वेदों में छः अंग माने जाते हैं
C. वेदों से छः अंग माने जाते हैं
D. वेदों पर छः अंग माने जाते हैं

12. A. भक्तों की सेना जा रही थी
B. भक्तों की मंडली जा रही थी
C. भक्तों की टुकड़ी जा रही थी
D. भक्तों की भीड़ जा रही थी

13. A. आपकी शंका का परिहार हुआ कि नहीं
B. आपकी शंका का निदान हुआ कि नहीं
C. आपकी शंका का समाधान हुआ कि नहीं
D. आपकी शंका निर्मूल हुई कि नहीं

14. A. यह ग्रंथ विद्वतापूर्ण लिखा गया है
B. यह ग्रंथ विद्वतापूर्वक लिखा गया है
C. यह ग्रंथ विद्वानपूर्ण लिखा गया है
D. यह ग्रंथ विद्वानपूर्वक लिखा गया है

15. A. वह टका-सा उत्तर देता है
B. वह टका-सा प्रश्न करता है
C. वह टका-सा जवाब देता है
D. इनमें से कोई नहीं

16. A. जो मिठाई पसन्द हों आप खा लो
B. जो मिठाई पसन्द हों तुम खा लो
C. जो मिठाइयाँ पसन्द हों तुम खा लो
D. जो मिठाइयाँ पसन्द हों उन्हें आप खाइए

17. A. हम बचपन में वहाँ जायेंगे
B. हम बचपन में वहाँ जाते रहे हैं
C. मैं बचपन में वहाँ जाता रहा
D. मैं बचपन में वहाँ जाऊँगा

18. A. प्रत्येक व्यक्ति कविता कर सकते हैं
B. प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकते हैं
C. प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकता
D. हर व्यक्ति कविता कर सकते हैं

19. A. हेम नरेश की पुस्तक दी
B. हेम ने नरेश को पुस्तक दी
C. हेम नरेश का पुस्तक देगा
D. हेम ने नरेश का पुस्तक दिया

20. A. मन्त्री ड्राइवर से कार चलवाता है
B. मन्त्री ड्राइवर की कार चलवाता है
C. मन्त्री ड्राइवर के लिए कार चलवाता है
D. मन्त्री ड्राइवर पर कार चलवाता है

21. A. उसकी आयु तीस वर्ष है इस समय
B. इस समय उसकी अवस्था तीस वर्ष है
C. तीस वर्ष की अवस्था है इस समय उसकी
D. इस समय तीस वर्ष की अवस्था है उसकी

22. A. रागिनी अपने आप चली गई
B. रागिनी खुद से चली गई
C. रागिनी अपने से ही चली गई
D. रागिनी आपके आप चली गई

23. A. श्याम पौधे को जल से सींच रहा है
B. पौधे को जल से सींच रहा है श्याम
C. श्याम पौधे सींच रहा है
D. जल से सींच रहा है श्याम पौधे को

24. A. वह उदद्ंडनीय है
B. वह दण्ड भोगने के योग्य है
C. वह दण्डयोग्य है
D. वह दण्ड देने के योग्य है

25. A. हमारे यहाँ तरुण नवयुवकों की शिक्षा का अच्छा प्रबन्ध है
B. हमारे यहाँ तरुण नवयुवकों का शिक्षा का अच्छा प्रबन्ध है
C. हमारे नवयुवकों की शिक्षा का यहाँ अच्छा प्रबन्ध है
D. हमारे यहाँ नवयुवकों की शिक्षा का अच्छा प्रबन्ध है

26. A. मुरझाया हुआ फूल वर्षा की फुहार से अभिसिंचित होकर पुनः खिल उठा
B. मुरझाई हुई फूल वर्षा की फुहार से अभिसिंचित होकर पुनः खिल उठा
C. मुरझाया हुआ फूल वर्षा की फुहार से अभिसिंचित होकर पुनः खिल उठी
D. मुरझाया हुआ फूल वर्षा के फुहार द्वारा अभिसिंचित होकर पुनः खिल उठे

27. A. आपके दर्शन दुर्लभ हैं
B. वह विलाप करके रोने लगा
C. हम लोग कुशलपूर्वक से हैं
D. उसे मृत्युदण्ड की सजा मिली है

28. A. तीन महानगरों के नाम बताइए
B. इस समस्या की औषधि मेरे पास है
C. चरखा कातना चाहिए
D. यह एक इतिहासिक घटना है

29. A. मेरे को कल छुट्टी जाना होगा
B. आप ही तो मना किये थे
C. मुझको लौटने में विलम्ब हो गया
D. कपड़े डालकर तुमने मेरे साथ क्या करा?

30. A. राम का बहन गांधीजी पर कविता लिखी है
B. राम का बहन गांधीजी पर कविता लिखा है
C. राम की बहन ने गांधीजी पर कविता लिखी है
D. राम की बहन गांधीजी के ऊपर कविता लिखा है

31. A. कवि ने सम्पादक को एक कविता भेजा
B. अध्यापिका ने शिष्य से प्रश्न पूछी
C. बच्चे ने कहा था, पर आप ने नहीं सुनी
D. अमित ने जेब से दस रुपए का नोट निकाला

32. A. पेड़ की पत्ता गिरी
B. पेड़ में से पत्ता गिरा
C. पत्ता गिर पड़ा पेड़ों से
D. पेड़ से पत्ता गिरा

33. A. बैल और बकरी घास चरती हैं
B. बैल और बकरी घास चरते हैं
C. बैल और बकरी घास चरता है
D. बैल और बकरी घास चरती है

34. A. महात्मा गांधी का देश सदा आभारी रहेगा
B. देश महात्मा गांधी का सदा आभारी रहेगा
C. आभारी रहेगा देश सदा महात्मा गांधी का
D. देश आभारी रहेगा सदा महात्मा गांधी का

35. A. कश्मीर में अनेक दर्शनीय स्थल देखने योग्य हैं
B. अनेक दर्शनीय स्थल कश्मीर में देखने योग्य हैं
C. कश्मीर में अनेक दर्शनीय स्थल हैं
D. अनेक दर्शनीय स्थल देखने योग्य हैं कश्मीर में

निर्देश (प्र.सं. 36 से 80 तक): *नीचे दिया गया हर एक वाक्य चार भागों में बाँटा गया है जिन्हें (A), (B), (C) और (D) अक्षरांक दिए गए हैं। आपको यह देखना है कि वाक्य के किसी भाग में व्याकरण, भाषा, वर्तनी, शब्दों के गलत प्रयोग या इसी तरह की कोई त्रुटि तो नहीं है। त्रुटि अगर हो तो वाक्य के किसी एक भाग में ही होगी। उस भाग का अक्षरांक ही उत्तर है। अगर वाक्य त्रुटिरहित है तो उत्तर (E) दीजिए।*

36. कैक्टस के पौधे में कई चमत्कारी गुण (A)/ होते हैं लेकिन यह दुखदायी की बात (B)/ है कि हमारे देश में अभी तक इस पर (C)/ बहुत अधिक ध्यान नहीं दिया गया है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

37. वाणिज्यिक वाहन निर्माताओं के (A)/ अनुसार, ईंधन की कीमतों में तेजी के (B)/ बावजूद बिक्री वाणिज्यिक वाहनों की (C)/ में तेजी दर्ज की गई है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

38. जब तपती और धूल भरी (A)/ सड़कों पर मोटी-मोटी बूँदें गिरतीं तब (B)/ उमस के साथ मिट्टी की (C)/ भुनी भुनी गंध वातावरण में फैल जाती थी। (D)/ त्रुटिरहित (E).

39. औसत अगर मध्यवर्गीय (A)/ परिवार की बात करें तो उसमें (B)/ स्त्री मन को समझने की (C)/ गुंजाइश बहुत कम होती है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

40. सुखद स्मृतियाँ चमकीले वर्तमान (A)/ से कहीं ज्यादा आनंददायक, (B)/ दुष्प्रेरणादायक और स्फूर्ति (C)/ प्रदान करने वाली होती हैं। (D)/ त्रुटिरहित (E).

41. किसी तंदरुस्त वृद्ध की देहयष्टि (A)/ देखकर लग पड़ता है (B)/ कि आयु ने उनके शरीर (C)/ पर अपना प्रभाव नहीं डाला है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

42. कोशिश करने से मसले (A)/ समय रहते हल हो जाएं (B)/ तो ठीक वरना मन (C)/ में ग्रंथियाँ बन जाती हैं। (D)/ त्रुटिरहित (E).

43. यदि कोई विकलांग व्यक्ति (A)/ घर का मुखिया हो (B)/ तो वह गरीबी रेखा से (C)/ नीचे के दायरे में आएगा। (D)/ त्रुटिरहित (E).

44. एक मध्यवर्गीय भारतीय परिवार में पिता (A)/ काम के बोझ या दूसरे कारणों से अपने (B)/ बच्चों से कट जाता है, जिसका बच्चों (C)/ के मन पर प्रतिकूल प्रभावशाली पड़ता है।(D)/ त्रुटिरहित (E).

45. अर्थव्यवस्था विश्व के बदतर हो रहे (A)/ हालात से चिंतित वित्त मंत्री ने (B)/ कहा कि सरकार के पास नरमी (C)/ से निपटने के विकल्प सीमित हैं। (D)/ त्रुटिरहित (E).

46. बचत बैंक खातों (A)/ में बैंकों द्वारा (B)/ ब्याज की अदायगी (C)/ किया जाता है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

47. वर्ष 2010 को आधार (A)/ बना कर राष्ट्रीय स्तर पर (B)/ नया उपभोक्ता तूल्य (C)/ सूचकांक जारी किया गया है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

48. गुजरात की (A)/ राजरानी गांधीनगर (B)/ में एक बहुत बड़े समारोह का (C)/ आयोजन किया गया है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

49. विमानन क्षेत्र का (A)/ नामी कम्पनी की (B)/ मुश्किलें दिनोंदिन (C)/ बढ़ती जा रही हैं। (D)/ त्रुटिरहित (E).

50. सरकार अपनी योजनाओं (A)/ का लाभ केवल कमजोर (B)/ वर्ग के लोगों तक सीमित (C)/ रखने के कक्ष में नहीं है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

51. भारत सरकार द्वारा अर्जित (A)/ कुल राजस्व की (B)/ अधिकतम राशि आय कर (C)/ से प्राप्त होती है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

52. दूरदर्शन के अधिकारियों (A)/ ने लोकप्रिय वाहिका (B)/ का प्रसारण बंद करने (C)/ का आदेश दिया है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

53. राष्ट्रीय एकता तथा मानवीय (A)/ मूल्यों के मूलभूत सिद्धान्तों (B)/ को म्यान में रखकर (C)/ पाठ्य-सामग्री तैयार की गई है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

54. दोनों देशों के वाणी (A)/ सचिवों की बैठक में (B)/ परस्पर व्यापार बढ़ाने (C)/ के लिए सहमति हो गयी। (D)/ त्रुटिरहित (E).

55. कोश के इस (A)/ नए संस्करण में बहुत (B)/ से नए शब्द (C)/ शामिल किए गए हैं। (D)/ त्रुटिरहित (E).

56. बैंक से जारी होने वाले (A)/ सभी परिपत्र, आदेश आदि (B)/ कागज के बजाय डिजिटल (C)/ माध्यमों से प्रेषित किया जाता है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

57. नियंत्रण प्राधिकारियों से (A)/ भी अपेक्षा की गई है (B)/ कि वे प्रतिदिन प्रतिवेदन (C)/ का अध्ययन अवश्य करें। (D)/ त्रुटिरहित (E).

58. ग्लोबल वार्मिंग रूपी (A)/ शत्रु पर आक्रमण कर उसे (B)/ परस्त करने में सभी (C)/ का योगदान होना चाहिए। (D)/ त्रुटिरहित (E).

59. पेड़ नहीं सोंचते कि झोंका (A)/ आए तो झूमें या न (B)/ झूमें वे झूमते हैं और अपने (C)/ जड़ों पर यकीन रहते हैं। (D)/ त्रुटिरहित (E).

60. कितने वर्षो की अवधि (A)/ तक खाते में कोई भी लेन-देन न (B)/ होने पर खाते को (C)/ निष्कृत माना जाता है? (D)/ त्रुटिरहित (E).

61. सामाजिक कुरीतियों (A)/ का मुख्य कारण (B)/ अज्ञानता है (C)/ यह बात एकदम सही है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

62. उसकी सौन्दर्यता (A)/ देखकर मन मयूर (B)/ नृत्य करने लगा (C)/ दिलीप ने श्याम को बताया। (D)/ त्रुटिरहित (E).

63. नगेन्द्र जी (A)/ हिन्दी के (B)/ लब्धप्रतिष्ठित (C)/ आलोचक एवं लेखक हैं। (D)/ त्रुटिरहित (E).

64. साहित्य (A)/ और जीवन का (B)/ घनघोर (C)/ सम्बन्ध है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

65. दिल्ली से (A)/ अनेकों (B)/ पत्र-पत्रिकाओं का (C)/ प्रकाशन होता है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

66. गाय को घास (A)/ खिलाने से और पंछी (B)/ को दाना डालने (C)/ से पूण्य मिलता है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

67. एक संख्या का पाँच (A)/ बटा-नौ दूसरी संख्या (B)/ के पच्चीस प्रतिशत (C)/ के सम्मान है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

68. दिनेश की मासिक (A)/ आय सुरेश की (B)/ मासिक आय से (C)/ चुगना है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

69. इस कार की कीमत कम (A)/ होगी और कम्पनी इसमें ज्यादा से ज्यादा (B)/ भारतीय पूर्जे लगाने (C)/ की कोशिश कर रही है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

70. कहते हैं कि (A)/ हर दस कोश (B)/ पर बोली (C)/ बदलती है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

71. वैश्वीकरण के इस (A)/ युग में हिन्दी भाषा (B)/ नीत नवीन शब्दों से (C)/ समृद्ध हो रही है। (D)/ त्रुटिरहित (E).

72. आज भी कई किसान (A)/ और कमजोर वर्ग के (B)/ लोग साहूकारों के अंगुल (C)/ में फँसे हुए हैं। (D)/ त्रुटिरहित (E).

73. हमें शिक्षा ऋण (A)/ लेने वाले ऋणकर्ताओं (B)/ से इस आश्रय की (C)/ शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। (D)/ त्रुटिरहित (E).

74. बचत बैंक खाते में (A)/ एक महीना में अन्य (B)/ बैंक के ATM से (C)/ निःशुल्क 5 आहरणों की छूट हैं। (D)/ त्रुटिरहित (E).

75. कृपया बोधित (A)/ अनुदेश सभी पदाधिकारियों (B)/ को सूचित करने (C)/ की व्यवस्था करें। (D)/ त्रुटिरहित (E).

76. एक मादा सूअर अपनी (A)/ छः बच्चों के साथ जो (B)/ अभी नौ-नौ इंच से बड़े नहीं हुए (C)/ थे, रेलगाड़ी की तरह चलती जा रही थी। (D)/ त्रुटिरहित (E).

77. एक इरावती ही थी जिससे वह टूटी-फूटी (A)/ हिन्दी में बातां कर लेती थी, हालाँकि उसकी (B)/ पंजाबी हिन्दी और इरावती की कोंकणी (C)/ हिन्दी में जमीन-आसमान का फर्क था। (D)/ त्रुटिरहित (E).

78. अपने बेटे की वजह से ही वह (A)/ यहाँ परदेस में पड़ा था, जहाँ (B)/ न कोई उसकी जबान समझता था, न वह (C)/ किसी को जबान समझता था। (D)/ त्रुटिरहित (E).

79. चेचक के दागों और झुर्रियों से भरा (A)/ उसका चेहरा दीमक खाई लकड़ी की (B)/ तरह जाना पड़ता था, जो बदसूरत तो था (C)/ ही जुगुप्सा भी जगा देता था। (D)/ त्रुटिरहित (E).

80. शालिनी नित नेम की भांति दीपक जलाई (A)/ और एक अज्ञात देवता के सामने (B)/ हाथ जोड़ने की प्रक्रिया पूरी करके (C)/ घुटनों पर बाँहें रखे वहीं बैठी रही। (D)/ त्रुटिरहित (E).

वाक्यांश के लिए एक शब्द

1. एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना या ले जाना–
A. खिसका हुआ B. उखड़ा हुआ
C. स्थानच्युत D. विस्थापित

2. इंद्रियों को जीतने वाला–
A. अजातशत्रु B. इन्द्रस्वामी
C. जितेंद्रिय D. मुमुक्षु

3. एक ही कोख से जन्म लेने वाला–
A. संतति B. जातक
C. आत्मज D. सहोदर

4. अपनी इच्छा से चलने वाला–
A. स्वेच्छाचारी B. स्वच्छंद
C. अराजक D. स्वेच्छक

5. जो हर हाल में हो ही जाए–
A. होनहार B. अवश्यंभावी
C. भाग D. तत्पर

6. जो कठिनाई से समझ में आए–
A. दुर्गम B. दुर्बोध
C. दुर्लभ D. दुर्धर्ष

7. एक पर ही श्रद्धा अथवा आस्था रखने वाला–
A. एकाकी B. अलौकिक
C. अधिकारिक D. एकनिष्ठ

8. बड़ा बनने की इच्छा रखने वाला–
A. पदलोलुप B. चाटुकार
C. विवेकवान D. महत्वाकांक्षी

9. मन का दुर्भाव–
A. दृष्टिवैषम्य B. भेदभाव
C. मनोमालिन्य D. कलुषित

10. पूर्णतः स्वच्छ करना–
A. परिष्कार B. सुधार
C. आविष्कार D. पुनरोद्धार

11. जिसका जन्म उच्च कुल में हुआ हो–
A. सेठ B. अभद्र
C. अमीर D. कुलीन

12. ईश्वर को नहीं मानने वाला–
A. आस्तिक B. अधर्मवान
C. बंदा D. नास्तिक

13. उपकार मानने वाला–
A. कृतघ्न B. परोपकारी
C. अनोपचारी D. कृतज्ञ

14. किसी के पास रखी हुई दूसरे की वस्तु–
A. गिरवी B. जमानत
C. धरोहर D. सामान

15. एक स्थान से दूसरे स्थान को हटाया हुआ–
A. आंतरित B. प्रवासी
C. मुसाफिर D. स्थानांतरित

16. जिसे कठिनाई से भेदा जा सके–
A. अभेद्य B. दुर्भेद्य
C. दुर्दम्य D. अगम्य

17. जो सबको समान भाव से देखे–
A. दूरदर्शी B. क्रांतदर्शी
C. सूक्ष्मदर्शी D. समदर्शी

18. परलोक से सम्बन्धित–
A. पारलौकिक B. अलौकिक
C. इहलौकिक D. लौकिक

19. पीछे-पीछे चलने वाला–
A. अनुगामी B. प्रतिगामी
C. पश्चगामी D. अग्रगामी

20. जिसके हृदय में ममता नहीं है–
A. निर्दय B. कठोर
C. क्रूर D. निर्मम

21 जो व्यर्थ की बातें करता हो–
A. बहुभाषी B. कुवक्ता
C. वाचाल D. वाक्पटु

22. जो देखने में प्रिय लगता हो–
A. समदर्शी B. प्रियदर्शी
C. प्रियपात्र D. दर्शनप्रिय

23. अहसान न मानने वाला–
A. कृतज्ञ B. कृतघ्न
C. विश्वासघाती D. परोपजीवी

24. जिसे कठिनाई से जीता जा सके–
A. विजित B. अज्ञेय
C. अजेय D. दुर्जेय

25. बचपन और जवानी के बीच की अवस्था–
A. नवयुवा B. नवोढ़ा
C. वयःसंधि D. वयस्कता

26. पशुओं के समान व्यवहार करने वाला–
A. पाशविक B. पशुसा
C. क्रूर D. दानव

27. वह अग्नि जो जंगल में लग जाती है–
A. वनाग्नि B. दावानल
C. अनल D. प्रचंडाग्नि

28. वह वस्तु जो नाशवान है–
A. नाशक B. नासन्य
C. नासांतिक D. नश्वर

29. परिश्रम के बदले प्राप्त धनराशि–
A. मुद्रा B. करेंसी
C. पारिश्रमिक D. सिक्का

30. अधिक पढ़ी-लिखी महिला–
A. विदूषक B. विज्ञानी
C. अफसर D. विदुषी

31. दोपहर का समय–
A. अपराह्न B. पूर्वाह्न
C. अधपहर D. मध्याह्न

32. जिसके समान कोई दूसरा न हो–
A. असामान्य B. अद्वितीय
C. असाधारण D. महान्

33. जो अधिक व्यय न करता हो–
A. धन्नासेठ B. खर्चीला
C. अव्यय D. मितव्ययी

34. जो पृथ्वी से सम्बन्धित हो–
A. पार्थिव B. पृथ्वी
C. अलौकिक D. जड़

35. जो काटा न जा सके–
A. दो टूक B. तर्कातीत
C. अकाट्य D. निश्चित

36. जिसके पास कुछ भी न हो–
A. अकिंचन B. किंचित्
C. आकुंचन D. अलभ्य

37. अनिश्चित जीविका–
A. आंशिक सेवा B. अस्थायी सेवा
C. अर्द्ध रोजगार D. आकाशवृत्ति

38. जिस पर हमला न किया गया हो–
A. आक्रान्ता B. आक्रामक
C. अयोध्या D. अनाक्रान्त

39. जो बहुत मंद गति से कार्य करता हो–
A. मंथर B. दीर्घसूत्री
C. सत्वर D. मंदाक्रान्ता

40. उचित-अनुचित का ज्ञान रखने वाला–
A. विवेकी B. ज्ञानी
C. चतुर D. दूरदर्शी

41. जो अपने कर्त्तव्य का निश्चय न कर सके–
A. द्वन्द्वग्रस्त B. भ्रमित
C. किंकर्त्तव्यविमूढ़ D. द्विविधाग्रस्त

42. अनेक युगों से चला आने वाला–
A. समीचीन B. प्राचीन
C. कालान्तर D. सनातन

43. ऐसा कवि जो तत्काल रचना करता हो–
A. कविराज B. आशुकवि
C. महाकवि D. कवीश

44. जिस स्त्री का पति जीवित होता है–
A. कामिनी B. सुभगा
C. सधवा D. मधवा

45. अनुचित व्यय करने वाला–
A. अतिव्ययी B. मितव्ययी
C. दुर्व्ययी D. अपव्ययी

46. मुकदमा चलाने वाला–
A. प्रतिवादी B. मुकदमेबाज
C. वादी D. इनमें से कोई नहीं

47. जिस पर अभियोग लगाया गया हो–
A. प्रतिवादी B. अभियोगी
C. अभियुक्त D. याची

48. मोक्ष प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला–
A. मोक्षेसु B. ममुक्ष
C. मुमुक्ष D. मुमुक्षु

49. 'वह स्त्री जिसका पति परदेस से आने वाला हो' के लिए एक शब्द है–
A. आगतपतिका B. प्रव्रत्स्यतपतिका
C. प्रेषितपतिका D. आगमिस्यतपतिका

50. 'जिसमें धैर्य न हो' के लिए एक शब्द है–
A. अधर B. धरातल
C. अधीर D. धीरता

51. 'जो पहले कभी न हुआ हो' के लिए एक शब्द है–
A. अद्भुत B. अभूतपूर्व
C. अपूर्व D. अनुपम

52. 'जिसे किसी से लगाव न हो' के लिए उपयुक्त एक शब्द है–
A. नश्वर B. लिप्सु
C. निर्लिप्त D. अलगाववादी

53. 'जो कुछ जानने की इच्छा रखता हो' के लिए एक शब्द है–
A. जिज्ञासु B. जननी
C. जानकी D. नीतिज्ञ

54. 'जो बात लोगों से सुनी गई हो' के लिए एक शब्द है–
A. अश्रुति B. सर्वप्रिय
C. लोकोक्ति D. किंवदन्ती

55. 'सबके समानाधिकार पर विश्वास' के लिए एक शब्द है–
A. अधिकारी B. समाजवाद
C. प्रगतिवाद D. अधिकारवाद

56. 'जिस बीमारी का ठीक होना सम्भव न हो' के लिए एक शब्द है–
A. असाध्य B. विकट
C. भयानक D. घातक

57. जिस पर विजय प्राप्त कर ली गई हो–
A. आक्रान्त B. अजेय
C. विजित D. पराजित

58. सूर्य के उदय होने का स्थान–
A. उदयाचल B. सूर्योदय
C. प्रभात स्थान D. गंधमादन

59. जो कहा न जा सके–
A. अकथित B. अकथनीय
C. अकथ्य D. नामुमकिन

60. जिसे बहुत बातें करनी आती हों–
A. वाचाल B. गम्भीर
C. समालोचक D. मुनि

61. जो स्त्री के वशीभूत हो–
A. स्त्रीदास B. गुलाम
C. स्त्रैण D. प्रेमी

62. जो समान न हो–
A. बराबर B. जटिल
C. अविषम D. विषम

63. जिसे पढ़ना-लिखना आता हो–
A. अल्पज्ञानी B. शिक्षित
C. बुद्धिजीवी D. साक्षर

64. जो खाना मुफ्त में मिलता हो–
A. भण्डार B. लंगर
C. खुराक D. राशन

65. जो अपने कर्त्तव्य को न जानता हो–
A. अनजान B. अज्ञानी
C. किंकर्त्तव्यविमूढ़ D. कर्त्तव्यहीन

66. 'युद्ध में स्थिर रहने वाला' के लिए एक शब्द है–
A. योद्धा B. साहसी
C. युधिष्ठिर D. वीर

67. 'जो ईश्वर में विश्वास रखता है' के लिए एक शब्द है–
A. आस्थावान B. धार्मिक
C. आध्यात्मिक D. आस्तिक

68. आयु में बड़ा व्यक्ति–
A. कनिष्ठ B. पूजनीय
C. ज्येष्ठ D. वरिष्ठ

69. नया उदित होने वाला–
A. नवोदित B. नवजात
C. नवागन्तुक D. इनमें से कोई नहीं

70. बहुत-सी भाषाओं को जानने वाला–
A. तत्वचिन्तक B. बहुज्ञ
C. बहुभाषाविद् D. भाषा-वैज्ञानिक

71. जो किसी की ओर मुँह किए हो–
A. अभिमुख B. अनमुख
C. सुमुख D. इनमें से कोई नहीं

72. 'सात सौ वाली' के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द उपयुक्त है?
A. सतखड़ा B. सतनजा
C. सतमासा D. सतसई

73. 'तेज चलने वाला' के लिए एक शब्द है–
A. गतिशील B. चुस्त
C. कर्मठ D. द्रुतगामी

74. 'बिना स्वार्थ के कार्य करने वाला' के लिए एक शब्द होगा–
A. सहायक B. निस्वार्थी
C. पुण्यात्मा D. हितैषी

75. 'किसी की सहायता करने वाला' के लिए एक शब्द है–
A. सहकार B. सहायक
C. सहृदय D. सहचर

मुहावरा एवं लोकोक्तियाँ

1. 'सब्जबाग दिखाना' मुहावरा का अर्थ है–
A. बाग में घूमने जाना B. साग-सब्जी पैदा करना
C. प्रलोभन देना D. भयभीत करना

2. 'खुदा गंजे को नाखून न दे' लोकोक्ति का अभिप्राय है–
A. छोटे आदमी का प्रेम अस्थिर होता है
B. लज्जित होकर दूसरे पर क्रोध न निकाले
C. एक दोष पहले से था, दूसरा और आ गया
D. अत्याचारी को शक्ति नहीं मिलनी चाहिए

3. 'कभी नाव गाड़ी पर कभी गाड़ी नाव पर' लोकोक्ति का सही आशय है–
A. संघर्ष होना B. जीवन में उतार-चढ़ाव का क्रम
C. भलाई करना D. एक-से स्वभाव वाले होना

4. 'एक हाथ से ताली नहीं बजती' लोकोक्ति का अभिप्राय है–
A. शत्रुता दोनों पक्षों की गलती से होती है
B. संघर्ष बराबरी वाले दो पक्षों में होना चाहिए
C. एक आदमी से काम नहीं चलता
D. सराहना हेतु दोनों हाथ से ताली बजाएँ

5. 'उड़ती चिड़ियों के पंख गिनना' मुहावरा का सही अर्थ होगा–
A. अनुभवी होना B. वाक्चतुर होना
C. प्रतिभाशाली होना D. असंभव कार्य करना

6. 'नक्कारखाने में तूती की आवाज' मुहावरा का अर्थ है–
A. तूती की आवाज सबसे ऊँची होती है
B. नक्कारखाने में तूती नहीं बोलती
C. नकारे लोगों की सर्वत्र तूती बोलती रहती है
D. समर्थ व्यक्ति के सामने असमर्थ व्यक्ति का प्रभाव नहीं पड़ता

7. 'आँख के अंधे नाम नयनसुख' का सही अर्थ है–
A. गुणों के विरुद्ध नाम का होना
B. बुद्धिहीन, किन्तु पर्याप्त धनवान
C. अंधा आदमी प्रायः गुणवान होता है
D. एक आँख के अंधे को भी सभी सुखद आ सकते हैं

8. 'चिकना घड़ा होना' मुहावरा का सही अर्थ है–
A. चिकना चुपड़ा होना B. समृद्ध होना
C. निर्लज्ज होना D. मधुरभाषी होना

9. 'बेटा समय रहते न पढ़े, तो भविष्य में बुरी तरह पछताओगे' – वाक्य में 'बुरी तरह पछताओगे' के स्थान पर यह मुहावरा आ सकता है–
A. अंगारों पर लोटोगे B. आठ-आठ आँसू रोओगे
C. अंचरा पसारोगे D. कुएँ में गिरोगे

10. ''मुहावरे का प्रयोग वाक्य के अन्तर्गत होता है और लोकोक्ति पूर्ण वाक्य में होती है।'' यह कथन–
A. सही है
B. गलत है
C. कथन का प्रथम अंश सही है
D. कथन का अंतिम अंश सही है

11. 'समय के अनुसार काम करना चाहिए' अर्थ की बोधक लोकोक्ति है–
A. झूठ के पैर नहीं होते
B. जाके पांव न फटी बिवाई, सो क्या जाने पीर पराई
C. उँगली पकड़ कर पहुँचा पकड़ना
D. का बरसा जब कृषि सुखाने

12. 'भारत के अतुलित धन वैभव पर अंग्रजों ने दाँत गड़ा दिए'–वाक्य में प्रयुक्त 'दाँत गड़ा दिए' का अर्थ है–
A. किसी वस्तु को गलत ढंग से पाने की गहरी चाह
B. दूसरे की वस्तु देखकर ललचा जाना
C. दूसरे की वस्तु चुराने की चेष्टा करना
D. धोखे से दूसरे की वस्तु लेना

13. 'चाँद पर थूकना' मुहावरे का आशय है–
A. असम्भव काम करना
B. निरर्थक काम करना
C. सौंदर्य का अनादर करना
D. सम्माननीय का अनादर करना

14. 'नियम विरुद्ध कार्य करना' अर्थ के अनुकूल सही मुहावरा है–
A. सूरज को दिया दिखाना
B. उल्टी गंगा बहाना
C. दाई से पेट छिपाना
D. नौ दो ग्यारह हो जाना

15. 'खाला जी का घर' मुहावरे का क्या अर्थ है?
A. आसान कार्य B. मौसी का घर
C. भाई-भतीजावाद D. रिश्तेदार को लाभ पहुँचाना

16. 'सिर चढ़ाना' मुहावरे का अर्थ है–
A. मनमानी करने की छूट देना
B. सिर पर बैठाना
C. सिरदर्द का बहाना करना
D. सिर पर उठा लेना

17. किस लोकोक्ति का अर्थ ''वैभव क्षणिक होता है'' होगा?
A. साँच को आँच नहीं
B. अधजल गगरी छलकत जाए
C. पाँचों उँगलियाँ बराबर नहीं होतीं
D. चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात

18. 'आँधी के आम होना' मुहावरे का अर्थ है–
A. मुफ्त उपलब्ध होना
B. संयोगवश बहुत सस्ता उपलब्ध होना
C. वैभवशाली बनना
D. अत्यन्त प्रिय होना

19. 'पाँच सात की लकड़ी, एक जने का बोझ' लोकोक्ति का अर्थ है–
A. बहुत कठिन कार्य होना
B. असम्भव बड़ी शर्त रखना
C. छोटे या कमजोर व्यक्ति की बात को कोई नहीं मानता
D. मिलकर काम करने से कठिन कार्य भी सरल हो जाता है

20. इनमें से कौन एक लोकोक्ति है?
A. अंगूठा दिखाना B. अंधा होना
C. ऊँट के मुँह में जीरा D. इधर-उधर की हाँकना

21. 'कलम तोड़ना' मुहावरे का क्या अर्थ है?
A. सही लिखना
B. अच्छा लिखना
C. ज्यादा लिखना
D. बेकार लिखकर प्रायश्चित करना

22. 'ढाँक के तीन पात' का अर्थ है–
A. अपने स्थान पर अडिग रहना
B. साफ इनकार कर देना
C. बेकार घूमना
D. कभी किसी विशेषता से सम्पन्न न होना

23. 'घड़ों पानी पड़ जाना' मुहावरे का अर्थ है–
A. चिन्ता में डूब जाना B. बर्बाद हो जाना
C. पसीने से भीग जाना D. लज्जा से दब जाना

24. किस लोकोक्ति का अर्थ 'बिना परिश्रम के सफलता नहीं मिलती' होगा?
A. नौ दिन चले अढ़ाई कोस
B. जिन खोजा तिन पाइयाँ गहरे पानी पैठ
C. बालू से तेल निकालना
D. डूबते को तिनके का सहारा

25. 'हाथ कंगन को आरसी क्या' कहावत का अर्थ है–
A. समझदार के लिए उपदेश व्यर्थ है
B. प्रत्यक्ष के लिए प्रमाण की क्या आवश्यकता है
C. मूल्यवान वस्तु के सामने तुच्छ वस्तु का कोई महत्व नहीं
D. हाथ में कंगन ही चाहिए आरसी नहीं

26. 'दाँतों तले अंगुली दबाना' का अर्थ होगा–
A. मुसीबत में पड़ना
B. बहुत हैरान होना
C. आश्चर्य करना
D. दीनता प्रकट करना

27. 'अनिश्चितता' के भाव को प्रकट करने के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए–
A. बंद मुट्ठी में क्या है
B. पर्दे के पीछे कौन है
C. न जाने भाग्य में क्या है
D. न जाने ऊँट किस करवट बैठेगा

28. 'कुपात्र की सहायता करना व्यर्थ है' इस उक्ति को चरितार्थ करने वाली कहावत है–
A. अंधे को न्यौता, दो जने आये
B. कुत्ते को खिलाई खीर, पाप में न पुण्य में
C. गधे की खाई खेती, न पाप में न पुण्य में
D. बन्दर क्या जाने अदरक का स्वाद

29. मूर्ख व्यक्ति के सामने ज्ञान की बातें करने के लिए उपयुक्त मुहावरा क्या होगा?
A. रेत से तेल निकालना
B. अंधे के आगे रोना
C. भैंस के आगे बीन बजाना
D. आकाश से बातें करना

30. निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ बताइए–
'सिर से पानी गुजर जाना'
A. अच्छी चीज का और अच्छा हो जाना
B. अपमान सहन कर लेना
C. सहनशीलता की सीमा टूट जाना
D. बाढ़ आ जाना

31. 'बहती गंगा में हाथ धोना' इस मुहावरे का क्या अर्थ है?
A. अधिकाधिक उन्नति होना
B. अवसर का फायदा उठाना
C. असम्भव काम को सम्भव करना
D. बहुत परिश्रम करना

32. निम्नलिखित वाक्यों में मुहावरे का सही प्रयोग क्या है?
A. धोनी अच्छे क्रिकेट का प्रदर्शन करके राँची वापस पहुँचा तो लोगों ने मैदान मार लिया
B. धोनी अच्छे क्रिकेट का प्रदर्शन करके राँची वापस पहुँचा, तो लोगों के हाथ के तोते उड़ गए
C. धोनी अच्छे क्रिकेट का प्रदर्शन करके राँची वापस पहुँचा, तो लोगों ने तिल का ताड़ बना लिया
D. धोनी अच्छे क्रिकेट का प्रदर्शन करके राँची वापस पहुँचा, तो लोगों ने उसे सिर आँखों पर बिठा लिया

33. निम्नलिखित के लिए उपयुक्त मुहावरा क्या है?
'मुसीबत देखकर घबरा जाना'
A. नाक पर धब्बा लगना
B. नौ दो ग्यारह होना
C. दाँतों तले अंगुली दबाना
D. नानी याद आना

34. 'काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती' लोकोक्ति का अर्थ है–
A. बुरे लोग लाख प्रयत्न के बाद भी अपनी बुराई नहीं छोड़ते
B. कठिन काम अकेले आदमी के वश की बात नहीं है
C. छल कपट का काम एक बार ही होता है
D. दुष्ट व्यक्ति बात से नहीं, बल्कि दण्ड से ही मानता है

35. 'रंगा सियार' मुहावरे का अर्थ क्या है?
A. डरपोक व्यक्ति
B. धोखेबाज व्यक्ति
C. झूठ बोलने वाला व्यक्ति
D. वीर व्यक्ति

36. 'बेपेंदी का लोटा' मुहावरे का अर्थ क्या है?
A. निर्धन व्यक्ति
B. स्थिर विचारों का न होने वाला व्यक्ति
C. मूर्ख व्यक्ति
D. दुष्ट व्यक्ति

37. 'घी के दिए जलाना' मुहावरा का सही अर्थ है–
A. दीपावली मनाना
B. खुशी मनाना
C. रईसी प्रकट करना
D. अपने को विशिष्ट समझना

38. 'सोने में सुगन्ध' मुहावरा का सही अर्थ है–
A. सुन्दर वस्तु में और गुण होना
B. सुगन्ध से युक्त आभूषण
C. सुन्दर आभूषण होना
D. सुगन्धित सोना

39. 'आँख का अंधा गाँठ का पूरा' लोकोक्ति का सही अर्थ है–
A. अंधा परन्तु विवेकशील होना
B. मूर्ख धनी
C. अंधे के पास धन होना
D. आँखों का रोग

40. 'गोद में लड़का, शहर भर में ढिंढोरा' मुहावरा का सही अर्थ है–
A. छोटे शिशु को तलाशना
B. अत्यधिक शरारती बालक
C. पास में वस्तु रहते हुए चारों ओर खोजना
D. छोटे बालक की प्रशंसा करना

41. 'पानी का बुलबुला' मुहावरे का क्या अर्थ है?
A. शीघ्र नष्ट हो जाने वाला
B. स्वच्छंद हो जाना
C. हार कर भागना
D. कष्ट उठाना

42. 'चाँदी का जूता मारना' मुहावरे का सही अर्थ है–
A. लुभाना
B. आदर करना
C. शोभा बढ़ाना
D. रुपए के बल पर दबाना

43. 'आगे नाथ न पीछे पगहा' लोकोक्ति का क्या अर्थ है?
A. पूर्ण स्वतन्त्र B. अपने मन की करना
C. बन्धन रहित होना D. इधर-उधर भागना

44. 'अन्धे पीसे कुत्ते खाएं' लोकोक्ति का सही अर्थ क्या है?
A. बेहिसाब काम करना
B. असावधानी से अयोग्य को लाभ
C. लाचारी का अनुचित लाभ
D. अपना माल लुटाना

45. 'अधजल गगरी छलकत जाए' का क्या अर्थ है?
A. गगरी में छेद होना B. बेकायदे काम करना
C. व्यर्थ की बातें करना D. कम ज्ञान का अधिक प्रदर्शन

46. 'जस दूल्हा तसि बनी बराता' लोकोक्ति का क्या अर्थ है?
A. अच्छा दूल्हा और अच्छे साथी
B. अच्छा दूल्हा और खराब बराती
C. सभी लोगों का अच्छा होना
D. जैसा व्यक्ति वैसे साथी

47. 'तीन लोक से मथुरा न्यारी' लोकोक्ति का अर्थ है–
A. बहुत सुन्दर होना
B. दूर की वस्तु सुन्दर लगना
C. जरूरत से ज्यादा बड़ाई करना
D. कृष्ण भक्त होना

48. 'थोथा चना बाजे घना' लोकोक्ति का क्या अर्थ है?
A. बहुत अधिक बोलना
B. ओछे व्यक्ति अधिक दिखावा करते हैं
C. बढ़ा-चढ़ाकर बात करना
D. बहुत शोर करना

49. 'खग जाने खग ही की भाषा' का क्या अर्थ है?
A. पक्षियों की भाषा जानना
B. समान प्रवृत्ति वाले ही एक-दूसरे को समझते हैं
C. पक्षी अपनी भाषा स्वयं समझते हैं
D. पक्षियों की तरह बोलना

50. 'अदृश्य शत्रु' अर्थ के अनुरूप उपयुक्त मुहावरा है–
A. मीठी छुरी B. मुँह में राम बगल में छूरी
C. पेट में दाढ़ी D. आस्तीन का साँप

51. 'पापड़ बेलना' मुहावरे का क्या अर्थ है?
A. पापड़ बनाना B. मुसीबत उठाना
C. खाना बनाना D. पतली रोटी बेलना

52. 'पानी-पानी होना' मुहावरे का क्या अर्थ है?
A. घबड़ा जाना B. बहुत भीग जाना
C. बहुत लज्जित होना D. बाढ़ आ जाना

53. 'गूलर का फूल होना' मुहावरे का क्या अर्थ है?
A. सुगंधित होना B. फूल की तरह खिलना
C. दुर्लभ होना D. अति प्रसन्न होना

54. 'कान का कच्चा होना' मुहावरे का क्या अर्थ है?
A. कम सुनना B. सुनी बात पर विश्वास करना
C. दूसरे की बात न मानना D. कान का कमजोर होना

55. 'उन्नीस-बीस होना' मुहावरे का क्या अर्थ है?
A. बहुत कम अन्तर होना B. बहुत अन्तर होना
C. हिसाब जोड़ना D. भाग जाना

56. 'खून का घूँट पीना' मुहावरे का क्या अर्थ है?
A. गुस्सा करना B. खून की उल्टी करना
C. क्रोध दबाना D. दाँत से होठ कट जाना

57. 'पौ बारह होना' मुहावरे का सही अर्थ है–
A. सब तरह की सुख-सुविधाओं का होना
B. उपद्रव करना
C. पलायन कर जाना
D. प्रयासरत होना

58. 'कागजी घोड़े दौड़ाना' मुहावरे का सही अर्थ है–
A. प्रयास करना B. लिखा-पढ़ी करना
C. कागज काला करना D. व्यर्थ का काम करना

59. 'कान भरना' मुहावरे का अर्थ है–
A. धोखा देना B. चाणक होना
C. चुगली करना D. असर न होना

60. 'सिर उठाना' मुहावरे का सही अर्थ है–
A. रंग उतर जाना B. भेद प्रकट करना
C. बहुत पछताना D. विद्रोह करना

61. 'आडम्बर' बहुत, किन्तु वास्तविकता कुछ नहीं' के लिए सही लोकोक्ति है–
A. आँख का अंधा नाम नयनसुख
B. ऊँची दुकान, फीका पकवान
C. ऊँट के मुँह में जीरा
D. खोदा पहाड़, निकली चुहिया

62. 'चैन की वंशी बजाना' का अर्थ है–
A. साइकिल की चैन की बांसुरी बनाकर बजाना
B. मौज करना
C. फुर्सत में वंशी बजाना
D. बेरोजगार होना

63. 'आँख की किरकिरी होना' का अर्थ है–
A. अप्रिय लगना B. धोखा देना
C. कष्टदायक होना D. बहुत प्रिय होना

64. 'कीचड़ उछालना' मुहावरा का सही अर्थ है–
A. मल फेंकना B. दूसरे के कपड़े गन्दे करना
C. बदनाम करना D. दलदल में फँसना

65. 'अवांछित संवाद' अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा है–
A. सिर खपाना B. सिर खाना
C. सिर नीचा होना D. सिर पड़ना

उत्तरमाला

संधि

1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
A	A	B	C	D	A	D	B	C	B
11	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
A	C	A	C	A	A	C	C	A	D
21	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
A	C	C	A	A	B	D	D	A	B
31	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
D	C	C	A	A	B	C	C	C	D
41	**42**	**43**	**44**	**45**	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**
A	A	B	B	A	B	D	B	A	C
51	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
C	A	A	A	B	C	A	C	C	C
61	**62**	**63**	**64**	**65**	**66**	**67**	**68**	**69**	**70**
C	A	A	A	A	C	B	A	B	B
71	**72**	**73**	**74**	**75**					
B	A	A	B	D					

समास

1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
C	B	C	A	C	B	A	A	B	A
11	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
D	A	B	D	B	C	C	D	A	B
21	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
A	A	C	A	A	C	A	A	A	A
31	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
B	A	C	C	A	D	B	B	C	A
41	**42**	**43**	**44**	**45**	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**
A	A	A	C	A	A	A	D	B	D
51	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
C	A	A	C	C	A	C	C	B	B
61	**62**	**63**	**64**	**65**	**66**	**67**	**68**	**69**	**70**
B	C	A	C	B	D	A	B	C	A

वर्तनी

1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
B	A	D	B	A	A	B	A	D	C
11	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
D	D	B	B	D	C	C	A	B	B
21	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
C	A	D	B	D	B	B	B	C	D
31	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
C	A	C	A	D	C	B	C	A	C
41	**42**	**43**	**44**	**45**	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**
C	D	C	C	A	D	C	A	D	B
51	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
A	C	D	C	C	B	B	A	D	C

61	**62**	**63**	**64**	**65**	**66**	**67**	**68**	**69**	**70**
B	B	B	B	A	C	A	A	D	B
71	**72**	**73**	**74**	**75**	**76**	**77**	**78**	**79**	**80**
B	B	A	C	B	B	A	B	D	A
81	**82**	**83**	**84**	**85**	**86**	**87**	**88**	**89**	**90**
B	C	A	A	D	D	E	B	A	C
91	**92**	**93**	**94**	**95**	**96**	**97**	**98**	**99**	**100**
A	B	D	C	C	A	A	C	A	B
101	**102**	**103**	**104**	**105**	**106**	**107**	**108**	**109**	**110**
E	D	C	B	A	B	A	C	D	E
111	**112**	**113**	**114**	**115**					
D	E	C	A	C					

पर्यायवाची

1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
D	C	D	D	A	D	C	B	D	D
11	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
A	D	A	A	C	A	D	C	A	B
21	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
A	C	B	B	A	A	A	D	B	D
31	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
B	D	C	C	C	A	D	A	D	D
41	**42**	**43**	**44**	**45**	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**
C	C	D	C	A	A	C	D	C	A
51	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
D	C	A	D	A	D	A	D	C	D
61	**62**	**63**	**64**	**65**	**66**				
D	D	B	C	B	A				

विलोमार्थी शब्द

1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
C	B	A	B	D	A	D	A	A	A
11	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
C	D	B	A	C	D	C	A	B	C
21	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
D	B	B	B	D	C	C	C	A	C
31	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
D	A	C	B	A	D	B	A	B	A
41	**42**	**43**	**44**	**45**	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**
C	A	A	C	B	D	B	A	D	C
51	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
B	C	A	B	D	A	C	C	C	A
61	**62**	**63**	**64**	**65**	**66**	**67**	**68**	**69**	**70**
D	D	A	A	C	B	D	C	B	B
71	**72**	**73**	**74**	**75**					
A	B	A	D	A					

वाक्यों की शुद्धता

1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
A	A	B	C	C	B	D	A	B	A

11	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
A	B	C	B	C	D	C	C	B	A
21	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
B	A	C	C	D	A	A	A	C	C
31	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
D	D	B	B	C	B	C	D	A	C
41	**42**	**43**	**44**	**45**	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**
A	E	A	D	A	D	C	B	A	D
51	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
C	B	C	A	B	D	A	C	C	D
61	**62**	**63**	**64**	**65**	**66**	**67**	**68**	**69**	**70**
C	A	C	C	B	D	D	D	C	B
71	**72**	**73**	**74**	**75**	**76**	**77**	**78**	**79**	**80**
C	C	C	B	A	A	B	D	C	A

वाक्यांश के लिए एक शब्द

1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
D	C	D	A	B	B	D	D	C	A
11	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
D	D	D	C	D	B	D	A	A	D
21	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
C	B	B	D	C	A	B	D	C	D
31	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
D	B	D	A	C	A	D	D	A	A
41	**42**	**43**	**44**	**45**	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**
C	D	B	C	D	C	C	D	D	C
51	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
B	C	A	D	B	A	C	A	B	A
61	**62**	**63**	**64**	**65**	**66**	**67**	**68**	**69**	**70**
C	D	D	B	C	C	D	C	A	C
71	**72**	**73**	**74**	**75**					
A	D	D	B	B					

मुहावरा एवं लोकोक्तियाँ

1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
C	D	B	A	A	D	A	C	B	A
11	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
D	A	D	B	A	A	D	B	D	C
21	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
B	D	D	B	B	C	D	B	C	C
31	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
B	D	D	C	B	B	B	A	B	C
41	**42**	**43**	**44**	**45**	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**
A	D	C	C	D	D	C	B	B	D
51	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
B	C	C	B	A	C	A	D	C	D
61	**62**	**63**	**64**	**65**					
B	B	A	C	B					

●●●